राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 196, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली मंगलवार 30 जनवरी 2024, मूल्य : 2 /-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

कितनी भी बिजली करो प्रयोग, बिल आएगा शून्य; साथ ही होगी कमाई : केजरीवाल .... पेज 03

मुख्यमंत्री योगी ने किया रुद्राभिषेक, देवाधिदेव से की लोकमंगल की प्रार्थना .... पेज 05

महान टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए गिल को रक्षात्मक खेल बेहतर करना होगा : मांजरेकर .... पेज 07

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में सिस्मोमीटर लगेंगे

भूकंप आते ही ट्रेन जहां रहेगी, वहीं खड़ी हो जाएगी; यह देश में पहली बार

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में भूकंप का पता लगाने के लिए 28 सिस्मोमीटर लगाए जाएंगे। ये सिस्मोमीटर बिजली सप्लाय करने वाले सब स्टेशन के साथ जुड़े होंगे। भूकंप के झटकों का पता लगते ही ऑटोमैटिक पावर सप्लाई बंद हो जाएगी और इमरजेंसी ब्रेक के साथ बुलेट ट्रेन रुक जाएगी।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने सोमवार को बताया कि पैंसेंजर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा करने के लिए जापानी शिंकानसेन तकनीक पर आधारित भूकंप का पता लगाने वाला सिस्टम लगाया जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने × पर पोस्ट में सिस्टम लगाए जाने की जानकारी दी है। वैष्णव ने लिखा- भारत में पहली बार अर्ली अर्थक्वेक डिटेक्शन सिस्टम बुलेट ट्रेन में लगाया जाएगा। इसके तहत 28 सिस्मोमीटर लगाए जाएंगे।

8 सिस्मोमीटर महाराष्ट्र और 14 गुजरात में लगेंगे

28 सिस्मोमीटर में से 8 महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, विरार और बोइसर में लगेंगे। जबकि 14 गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, महेम्दावाद और अहमदाबाद में लगाए जाएंगे।

बाकी 6 सिस्मोमीटर भूकंप की आशंका वाले इलाकों महाराष्ट्र के खेड़, रत्नागिरी, लातूर और पंगरी, गुजरात के अडेसर और पुराने भुज में स्थापित किए जाएंगे।

ट्रैक्शन सब-स्टेशनों में सिस्मोमीटर शुरुआती तरंगों से भूकंप के झटकों का पता लगाएंगे। भूकंप का पता लगते कि ऑटोमैटिक बिजली बंद हो जाएगी। हाई स्पीड कॉरिडोर में पिछले 100 सालों में 5.5 से अधिक तीव्रता के जो भूकंप आए हैं, इसका सर्वे जापानी एक्सपर्ट्स ने किया था। इस सर्वे और मिट्टी परीक्षण के बाद सिस्मोमीटर लगाने की जगहें तय की गई हैं।

मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन 508 किमी का सफर तीन घंटे में तय करेगी। अभी दुरंतो दोनों शहरों के बीच का सफर साढ़े पांच घंटे में तय करती है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए है। यह प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कहलाता है।

राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव कराने की घोषणा की है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि 15 राज्यों से राज्यसभा के 56 सदस्यों का कार्यकाल आगामी अप्रैल में समाप्त हो रहा है। आयोग ने इन सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की सोमवार को घोषणा कर दी। चुनाव के लिए अधिसूचना 8 फरवरी को की जायेगी। नामांकन 15 फरवरी तक दायर किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को की जायेगी और नाम वापस लेने का अंतिम दिन 20 फरवरी को होगा। आयोग के अनुसार मतदान 27 फरवरी को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतों की गिनती 27 फरवरी को ही शाम पांच बजे की जायेगी। आयोग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की 10, बिहार और महाराष्ट्र की 6-6 , पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की 5-5, गुजरात और कर्नाटक की 4-4, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा की 3-3, छत्तीसगढ, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की एक-एक सीट के लिए चुनाव होगा।

विजय चौक पर पूरी हुई बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

तीनों सेनाओं के बैंड ने 31 धुनें पेश कीं; राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मौजूद रहे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विजय चौक पर सोमवार (29 जनवरी) को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी के साथ गणतंत्र दिवस के चार दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों का समापन हुआ। तीनों सेनाओं के साथ सीएपीएफ के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने 31 क्लासिकल धुनें बजाईं।

समारोह में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम जनता मौजूद रही। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया था। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत शंखनाद की धुन बजाकर की थी।

समारोह के अंत में सभी बैंड मास्टर राष्ट्रपति के पास गए और बैंड वापस ले जाने की इजाजत मांगी। इसके बाद समारोह समाप्त किया गया।

बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी में बजाई गईं 31 धुनें

शंखनाद के बाद पाइप और ड्रम बैंड के जरिए वीर भारत, संगम दूर, देशों का सरताज भारत, भागीरथी और अर्जुन धुन बजाई गईं। सीएपीएफ बैंड भारत के जवान और विजय भारत का संगीत पेश किया। इंडियन एयरफोर्स के बैंड ने टाइगर हिल, रेजोइस इन रायसीना और स्वदेशी म्यूजिक बजाया। इंडियन नेवी के बैंड ने आईएनएस विक्रांत, Mission चंद्रयान, जय भारती और हम तैयार हैं की धुनें पेश कीं।

इंडियन आर्मी के बैंड ने फौलाद का जिगर, अग्निवीर, कारगिल 1999 और ताकत वतन का म्यूजिक बजाकर समा बांधा। सभी बैंड ने ग्रुप में कदम-कदम बढ़ाए जा, ऐ मेरे वतन के लोगों और ड्रमर्स कॉल का म्यूजिक पेश किया। बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम का समापन सारे जहां से अच्छा के साथ किया गया।

300 साल से भी ज्यादा पुराना इतिहास

बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी की परंपरा राजा महाराजाओं के समय चली आ रही है। जब सूर्यास्त के बाद जंग बंद होने का ऐलान होता था। बिगुल बजाते ही सैनिक युद्ध बंद कर पीछे हट जाते थे। यब परम्परा 300 साल से भी ज्यादा पुरानी है। भारत के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी होती है। भारत में इसकी शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी।

केरल सरकार के खिलाफ महिला कांग्रेस का मार्च

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद जेबी माथेर को अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कथित तौर पर भारी वृद्धि के विरोध में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खाली चावल के बर्तन लेकर विधानसभा की ओर मार्च किया। सांसद जेबी माथेर महिला कांग्रेस मार्च में शामिल थीं। जब सोमवार को राज्य की राजधानी में महिला कांग्रेस के विरोध मार्च को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने उन पर पानी की बौछार की। पानी की बौछार के कारण सांसद जेबी माथेर चोटिल हो गईं।

'सिमी' पर पांच सालों के लिए बढ़ाया गया प्रतिबंध

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा संगठन

नई दिल्ली। स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के खिलाफ भारत सरकार ने कड़ा एक्शन लिया है। गृह मंत्रालय ने आज (29 जनवरी) यूएपीए के तहत पांच सालों की अवधि के लिए इस संगठन को गैरकानूनी संघ करार दिया है। बता दें कि यह एक प्रतिबंधित संगठन है।

देश की शांति के लिए संगठन बन रहा खतरा: गृह मंत्री

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए,

सिमी को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत पांच साल की अवधि के लिए गैरकानूनी संघ घोषित किया गया है।

अमित शाह ने कहा, सिमी को भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरे में डालने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल पाया गया है।

एक अधिसूचना मे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि सिमी अपनी विध्वंसक गतिविधियों को जारी रख रहा है और अपने कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित कर रहा है जो अभी भी फरार हैं। यह संगठन साम्प्रदायिकता, वैमनस्य पैदा करके, राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में जुटी है।

1977 में हुई थी संगठन की स्थापना

कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा था कि यह संगठन देश में इस्लामिक जिहाद फैलाने के कृत्य में संलिप्त है। बता दें कि यह सिमी एक प्रतिबंधित इस्लामिक छात्र संगठन है। संगठन की स्थापना 25 अप्रैल 1977 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुई थी। साल 2001 में पहली बार सिमी को आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहने के कारण प्रतिबंधित किया गया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार सत्ता में थी। इसके बाद 2008 में संगठन से कुछ दिन के लिए बैन हटाया गया। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर संगठन पर उसी साल फिर से बैन लगा दिया गया।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण खत्म करने की चल रही है साजिश : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को नौकरियों में मिलने वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश चल रही है और कांग्रेस कभी ऐसा नहीं होने देगी।

गांधी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, यूजीसी के नए ड्राफ्ट में उच्च शिक्षा संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को मिलने

वाले आरक्षण को खत्म करने की साजिश हो रही है। आज 45 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 7,000 आरक्षित पदों में से 3,000 रिक्त हैं और जिनमें सिर्फ 7.1 प्रतिशत दलित, 1.6 प्रतिशत आदिवासी और 4.5 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के प्रोफेसर हैं। आरक्षण की समीक्षा तक की बात कर चुकी भाजपा आरएसएस अब ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों में से वंचित वर्ग के हिस्से की नौकरियां छीनना चाहती है।

उन्होंने कहा, यह सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने वाले नायकों के सपनों की हत्या और वंचित वर्गों की भागीदारी खत्म करने का प्रयास है।

सुप्रीम कोर्ट से आंध्र सरकार को झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अमरावती इनर रिंग रोड घोटाला मामले में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देने वाली आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है। जज संजीव खाना और जज दीपांकर दत्ता की पीठ ने आंध्र प्रदेश सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने चंद्रबाबू नायडू को राहत राहत देने वाले 10 जनवरी के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि अन्य आरोपियों से जुड़ी उसी स्नद्धक्रके मामले में अपील को पिछले साल अदालत ने खारिज कर दिया था। पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा पारित पहले के आदेश को देखते हुए पीठ राज्य सरकार की अपील पर विचार करने की इच्छुक नहीं है। बता दें कि इनर रिंग रोड घोटाला अमरावती राजधानी शहर की मास्टर प्लान से जुड़ा है। आरोप है कि चंद्रबाबू नायडू के कार्यकाल के दौरान अमरावती शहर के मास्टर प्लान, इनर रिंग रोड के संरेखण और प्रारंभिक पूंजी में हेरफेर करने से संबंधित है। आरोप है कि इसमें कई कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

140 करोड़ भारतीयों के विश्वास की शक्ति से चुनौती को चुनौती देते हैं : मोदी

मोदी ने परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के 7वें संस्करण के दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ संवाद किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पद के तनाव से दूर रहने और बड़े काम करने की शक्ति का खुलासा करते हुए आज कहा कि वह निराशा और नकारात्मक सोच से दूर रहते हैं और 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास से शक्ति हासिल करके चुनौती को चुनौती देते हैं। इससे वह भ्रम से दूर हो कर स्पष्ट निर्णय ले पाते हैं और हर संकल्प पूरा कर पाते हैं।

मोदी ने यहां भारत मंडपम में परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के 7वें संस्करण के दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ संवाद के दौरान छात्रों के सवालों के जवाब में यह बात कही। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर

प्रदर्शित कला और शिल्प प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मोदी ने छात्रों को आयोजन स्थल यानी भारत मंडपम के महत्व को समझाया और उन्हें जी20 शिखर सम्मेलन के बारे में बताया जहां दुनिया के सभी प्रमुख नेता इकट्ठे हुए और दुनिया के भविष्य पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री तनाव से कैसे निपटते हैं और सकारात्मक रहते हैं, यह सवाल तमिलनाडु में चेन्नई के मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र एम वागेश ने प्रधानमंत्री से पूछा। उत्तराखंड में ऊधमसिंह नगर के डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी की छात्रा स्नेहा त्यागी ने प्रधानमंत्री से पूछा 'हम आपकी तरह सकारात्मक कैसे हो सकते हैं?' उन्होंने कहा कि यह जानकर अच्छा लगा कि बच्चे प्रधानमंत्री के पद के दबावों को जानते हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी को अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

परीक्षा से जुड़े कई प्रश्नों के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी उनसे बचकर प्रतिक्रिया कर सकता है, ऐसे लोग जीवन में बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाते हैं। मेरा दृष्टिकोण जो मुझे उपयोगी लगा वह यह है कि मैं हर चुनौती को चुनौती देता हूं। मैं चुनौती के पार होने का निष्क्रिय रूप से इंतजार नहीं करता। इससे मुझे हर समय सीखने का मौका मिलता है। नई परिस्थितियों से निपटना मुझे समृद्ध बनाता है। उन्होंने यह भी कहा, मेरा सबसे बड़ा विश्वास ये है कि मेरे साथ 140 करोड़ देशवासी हैं। यदि 10 करोड़ चुनौतियाँ हैं, तो अरबों समाधान भी हैं। मैं खुद को कभी अकेला नहीं पाता हूं और सब कुछ मुझ पर है, मैं हमेशा अपने देश और देशवासियों की क्षमताओं से अवगत रहता हूं। यह मेरी सोच का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें सबसे आगे रहना होगा और गलतियां भी उनकी होंगी लेकिन देश की क्षमताएं ताकत देती हैं।

तेज रफ्तार ट्रॉली ने कार को मारी टक्कर, पांच लोगो की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में एक कार की तेज रफ्तार से आ रही लॉरी से टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दो बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य को गंभीर चोटें आई है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

दुर्घटना उस समय हुई जब परिवार के सभी सदस्य पड़ोसी आंध्र प्रदेश की यात्रा के बाद रविवार देर रात एक कार से अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, जिले के मिर्यालगुडा के पास हाइवे पर विपरीत दिशा से आ रही लॉरी ने कार को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि कार के चालक ने कुत्ते से टकराने से बचने की कोशिश की लेकिन कार हाइवे के दूसरी ओर जा गिरी।

एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत

इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक महिला बुरी तरह घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि लॉरी चालक को पकड़ लिया गया है।

इससे पहले 6 जनवरी को तेलंगाना के महबूबनगर स्थित बालानगर चौरास्ता में भीषण सड़क हादसा हुआ था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। दरअसल, एक तेज रफ्तार लॉरी ने एक ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी थी। इस ऑटोरिक्शान में 6 यात्री सवार थे। सड़क हादसा इतना जबरदस्त था कि एक शिशु समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी ने लालू से की 10 घंटे पूछताछ

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव से सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने नौकरी के बदले जमीन मामले में करीब दस घंटे तक पूछताछ की। नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी के समन के बाद श्री यादव पूर्वाह्न 11 बजे पटना स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ उनकी बड़ी बेटी और राजद की राज्यसभा सदस्य मीसा भारती भी थीं, लेकिन उन्हें ईडी कार्यालय परिसर के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद वह ईडी कार्यालय के बाहर ही डटी रहीं। यादव करीब 9 बजे पूछताछ खत्म होने के बाद ईडी कार्यालय से बाहर निकले तब उनके समर्थकों ने उनके

पक्ष में खूब नारे लगाए। इससे पहले भी जब ईडी कार्यालय में लालू प्रसाद यादव से पूछताछ हो रही थी, तब बाहर यादव के समर्थक उनके पक्ष में नारी लग रहे थे। इसी दौरान यादव की बेटी मीसा भारती नारे लगा रहे लोगों से शांत रहने की अपील भी की, लेकिन इसका बहुत ज्यादा असर लालू समर्थकों पर नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने यादव से नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में करीब 50 सवाल पूछे, जिसमें से अधिकांश का जवाब यादव ने हां और ना में ही दिया। कल इसी मामले में यादव के पुत्र और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से भी पूछताछ होनी है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मामले की जांच ईडी कर रही है। आरोप के अनुसार, यादव ने वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील सरकार के शासनकाल के दौरान रेल मंत्री रहते हुए ग्रुप डी श्रेणी में उम्मीदवारों को दी गई नौकरियों के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भूखंडों का निबंधन कराया था।

सड़क हादसा

हादसा बाइक सवार को बचाने के दौरान हुआ

एमपी : सड़क हादसे में तीन बच्चों की मौत, 42 लोग घायल

छतरपुर। छतरपुर जिले के बक्सवाहा में तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉली चला रहे ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे ट्रॉली में सवार लोग उछलकर बाहर फिंका गए। हादसा बाइक सवार को बचाने के दौरान हुआ। इसमें तीन बच्चों की मौत हो गई। जबकि 42 लोग घायल हो गए।

ये सभी एक ही परिवार से हैं। नए ट्रैक्टर के पूजन के लिए बिजावर के जटाशंकर धाम जा रहे थे। हादसे में नम्रता लोधी (15), रवि लोधी (10) और दिव्यांशी लोधी (5) की जान चली गई है। 7 लोगों को बिजावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल 35 लोगों को

छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, जुझारपुरा के लोधी परिवार ने एक दिन पहले ही नया ट्रैक्टर खरीदा था। परिवार के लोग नए ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पूजन के लिए जटाशंकर धाम जाने के लिए निकले थे। नारायण लोधी तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चला रहा था। इसी दौरान अचानक एक बाइक सामने आ गई। बाइक सवार को बचाने के लिए उसने ढलान में तेजी से दौड़ रहे ट्रैक्टर के ब्रेक लगा दिए। इससे झटका लगा और ट्रॉली में बैठे लोग बाहर फिंका गए।

स्थानीय लोगों ने की घायलों की मदद

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों की मदद की। सूचना मिलने के बाद बिजावर एसडीओपी शशांक जैन और बिजावर थाना प्रभारी जयवंत काकोड़िया बल के साथ मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को एंबुलेंस और पुलिस के वाहन से बिजावर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से 35 गंभीर घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायलों में ये शामिल

गुलाब बाई लोधी (56), भरत लोधी, हरिराम लोधी, नारायण लोधी, हल्ले लोधी, नारायण लोधी, महेन्द्र लोधी, जानकी, मीरा, राजकुमारी, लक्ष्मी, प्रदीप लोधी, हर्षित, हिमांशु, मोहित, रागनी, विद्या, रजनी, पूजा, आरती, कृष्णा, माया, चांदनी, सविता, रक्षा, एक साल की भावना, चंदू और क्रांति। सूचना के बाद कलेक्टर संदीप जीआर भी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और डॉक्टरों को बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने डीडीआरसी और रेडक्रॉस टीमों के साथ तीन डिप्टी कलेक्टरों को यहां की जिम्मेदारी सौंपी।

एसडीएम बोले- अचानक ब्रेक लगाने से ट्रॉली लहराई

बिजावर एसडीएम विजय द्विवेदी ने बताया कि ट्रैक्टर के ड्राइवर ने सामने से आ रही बाइक को बचाने में तेज गति से दौड़ रहे ट्रैक्टर में अचानक ब्रेक लगा दिए। ब्रेक लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली लहरा गई और उसमें सवार लोग दूर जा फिंकाए। हादसे में तीन की मौत हो गई।

शार्ट न्यूज

कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान पर मिल रही नफरत

शिमला। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि यह जो मोहब्बत की दुकान रखते हैं, वहां नफरत का सामान बिकता है। ठाकुर ने गांधी पर यह तंज उपमंडल अंब के तहत टकारला में पार्टी के सेक्टर प्रभारियों के साथ बैठक में कसा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले दस वर्ष में मोदी सरकार की नीतियों के कारण लगभग 23.5 करोड़ परिवार गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। ये देश और दुनियाभर की एजेंसियों के आंकड़े बोलते हैं। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी को इन एजेंसियों पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि न्याय यात्रा में अन्याय होता देख उनके अपने साथी छोड़कर जा रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं की लंबी लिस्ट है, जो पार्टी छोड़कर चले गए हैं। अब सहयोगी दल छोड़कर जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को मिलने का समय राहुल गांधी नहीं देते हैं। इससे बड़ा अन्याय और क्या होगा। कांग्रेस के भ्रष्टाचारी साथी उनके साथ बचे हैं। बाकी उनको छोड़कर जा रहे हैं।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी का दौर जारी रहने के आसार,'येलो अलर्ट' जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मैदानी, मध्य व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में चार फरवरी तक बारिश-बर्फबारी का दौर जारी रहने के आसार हैं। हालांकि, दो फरवरी को उच्च पर्वतीय एक-दो स्थानों को छोड़कर अन्य में मौसम साफ रहने के आसार हैं। विभाग के अनुसार पहला पश्चिम विक्षोभ 30 जनवरी व दूसरा तीन फरवरी को सक्रिय होने के आसार हैं। इसके प्रभाव से प्रदेश के मौसम में यह बदलाव आने की संभावना है। बारिश-बर्फबारी की स्थिति में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। जबकि मैदानी क्षेत्रों के लिए न्यूनतम तापमान सामान्य और मध्य और ऊंची पहाड़ियों के लिए सामान्य से कम रहने की संभावना है। वहीं, सोमवार को राजधानी शिमला व आसपास भागों में मौसम साफ बना रहा। उच्च पर्वतीय एक-दो स्थानों पर आज भी बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार लगातार दो पश्चिम विक्षोभ के आने की वजह से 30-31 जनवरी से अगले 2-3 दिनों तक मध्य व उच्च पर्वतीय जिलों लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कुल्लू, मंडी, सिरमौर, शिमला के कई भागों में बारिश-बर्फबारी की संभावना है। वहीं, 31 जनवरी व 1 फरवरी को चंबा, कुल्लू, मंडी, लाहौल-स्पीति व किन्नौर के ऊपरी भागों में भारी बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी हुआ है।

हिमाचल में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी शहर के पुलघराट के समीप एक ट्रैवलर व बाइक के बीच हुई भिड़ंत में दो युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है। हादसे में ट्रैवलर गाड़ी भी सड़क पर पलट गई है। घटना रविवार देर रात 12:30 बजे की है। घटना में ट्रैवलर में सवार तीन-चार सवारियों को भी चोटें आई हैं, जिनका जोनल अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं युवकों के शवों का पोस्टमार्टम भी जोनल अस्पताल में करवाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार दोनों युवक नेरचौक से मंडी की तरफ व ट्रैवलर गाड़ी कुल्लू से चंडीगढ़ की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलघराट के पास इन दोनों वाहनों की टक्कर को गई, जिसमें बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है। जिस जगह हादसा हुआ वहां सड़क पर पत्थर भी गिरे हुए हैं। घटना के तुरंत बाद 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची व घायलों को जोनल अस्पताल मंडी पंहुचाया। वहीं, हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जोनल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक युवकों की पहचान हरीश (21) पुत्र मितर देव व ललित पुत्र (20) विधि चंद गांव जवाली, डाकघर पटरीघाट, तहसील बल्ह जिला मंडी के रूप में हुई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर चंद्र ने घटना की पुष्टि की है।

जिसके शिक्षा मंत्री सचिव से लड़ते रहे, वे ले रहे शिक्षक नियुक्ति का श्रेय : सुशील कुमार

पटना । बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पिछली सरकार में जिस पार्टी के शिक्षा मंत्री विभागीय सचिव से लड़ते रहे, चार महीने कार्यालय नहीं गए और रामचरित मानस पर टिप्पणी कर द्वेष फैलाते रहे, उसके नेता तेजस्वी प्रसाद यादव सत्ता से बाहर होने पर 1.22 ?लाख शिक्षकों को नौकरी देने का श्रेय लेने की कोशिश कैसे कर रहे हैं। मोदी ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि राज्य सरकार की नियुक्तियां मुख्यमंत्री के नीतिगत निर्णय और उनकी सम्मति से हुईं जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) केवल शेखी बघारने में लगा है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बतायें कि महागठबंधन सरकार कैबिनेट की पहली बैठक में ही दस लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा 17 महीनों में पूरा क्यों नहीं कर सकी। भाजपा सांसद ने कहा कि तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य मंत्री के नाते बिहार के अस्पतालों को अधमरा कर आईसीयू में भर्ती करा दिया । वे 17 महीनों में 17 डाक्टर भी नियुक्त नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव न क्रिकेट में सफल हो पाए और न खेल मंत्री के नाते 17 महीनों में पटना के मोइनुल हक स्टेडियम को जर्जर हालत से उबार सके। मात्र 75 खिलाड़ियों को नौकरी देकर वे अपनी पीठ थपथपा रहे हैं।

भाजपा ने अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सभा सचिव को दिया है। नोटिस में कहा गया है कि अब सदन का सभाध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी में विश्वास नहीं रहा है । अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी, पूर्व उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता तारकिशोर प्रसाद, जदयू के रत्नेश सदा समेत कई और विधायकों के हस्ताक्षर हैं। गौरतलब है कि अगस्त 2022 में महागठबंधन सरकार बनने के बाद श्री चौधरी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कोटे से विधानसभा अध्यक्ष बने थे । अब जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन से नाता तोड़कर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ सरकार बनाई है तब श्री चौधरी के सभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं देने पर उन्हें बहुमत से हटाने को तैयारी की जा रही है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 128 और महागठबंधन के 114 विधायक है जबकि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विधायक अख्तरुल ईमान किसी गठबंधन के साथ नहीं हैं।

कांग्रेस ने धर्मान्तरण पर श्वेत पत्र जारी करने की मुख्यमंत्री साय को दी चुनौती

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा धर्मांतरण को लेकर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये उनको राज्य में धर्मान्तरण पर श्वेत पत्र जारी करने की चुनौती दी है। बैज ने आज यहां जारी बयान में कहा कि कांग्रेस मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को चुनौती देती है वह धर्मान्तरण को लेकर विशेष तौर पर छत्तीसगढ़ में धर्मान्तरण को लेकर श्वेत पत्र जारी करें। भारतीय जनता पार्टी की रमन सरकार में कितने चर्च बने थे और कांग्रेस के भूपेश बघेल सरकार के दौरान कितने चर्च बने थे, स्थितियां स्पष्ट हो जायेंगी। भाजपा जनता पार्टी की जब-जब प्रदेश में सरकार रहती है वे स्वयं धर्मान्तरण को बढ़ावा देती है ताकि इस मुद्दे पर बयानबाजी करके मतों का ध्रुवीकरण कर सके। उन्होने कहा कि भाजपा को हिन्दुत्व से, सनातन से कोई मतलब नहीं है। वो अपनी राजनीति करने के उद्देश्य से इस प्रकार की चीजों को प्रचारित प्रसारित करती है। छत्तीसगढ़ में भी धर्मान्तरण की जो बातें उसके पीछे भारतीय जनता पार्टी है, नहीं तो श्वेत पत्र जारी करके बतायें कि रमन सरकार के 15 साल के कार्यकाल में कितने चर्च बने थे और कांग्रेस सरकार के पांच साल में कितने चर्च बने छत्तीसगढ़ में 90 फीसदी चर्च भाजपा के शासनकाल में बना है। 2004 के पहले जितनी चर्च थी उससे 100 गुना ज्यादा चर्च 2004-2018 तक बने है।

दिल्ली से नोएडा आने वाले रास्ते को किसानों ने रोका

सांसद-विधायक का किया घेराव, सेक्टर-14 ए के सामने बैठे; कहा-मांगों पर काम क्यों नहीं हो रहा

नोएडा। नोएडा में सोमवार को सुबह से किसान इकट्ठा हुए। एनटीपीसी के खिलाफ किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और विधायक पंकज सिंह का घेराव किया। हालांकि इसके दौरान पुलिस से किसानों की नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की करके किसानों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, मगर पुलिस की सख्ती के आगे उनकी एक न चली।

किसानों ने दिल्ली से नोएडा जाने वाले रास्ते को भी रोक दिया है। इसके बाद वो सेक्टर-14ए गेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान सांसद ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो अपनी मांग पर अड़े हैं।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा,जिन मांगों को नोएडा प्राधिकरण बोर्ड में सहमति बन चुकी है। इसमें 10 प्रतिशत विकसित भूमि, आबादी निस्तारण इन पर सांसद भी आश्वासन दे चुके है। इसके बाद भी इन मांगों पर काम क्यों नहीं किया जा रहा।

दोपहर 2 बजे मार्च निकाला

किसान दोपहर करीब 2 बजे प्राधिकरण से पैदल मार्च निकालते हुए सांसद का घेराव करने के लिए सड़क पर आ गए।

वहीं, किसानों का एक दल नोएडा प्राधिकरण के बाहर तालाबंदी की निगरानी कर रहा है। वह किसी भी कीमत पर प्राधिकरण में काम नहीं होने दे रहे हैं।

डॉक्टर महेश शर्मा ने किसानों से कहा-आपकी दो मांग पर काम पूरा

सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने किसानों से कहा आपकी दो मांग 10 प्रतिशत विकसित भूमि या उसके समतुल्य मुअवाजा और 5 प्रतिशत आबादी के

भूखंड दोनों ही मांगों पर लगभग काम पूरा कर लिया गया है। प्राधिकरण के अधिकारियों से कल देररात तक वार्ता भी की गई। चूकी ये बड़ा करीब 7 से 8 हजार करोड़ का एमाउंट है।

इसे शासन से पास कराया जा रहा है। हमने तो यहा तक कहा कि दो से तीन किस्तों में राशि भेज दी जाए। ये काम आपका समझो हो गया। हालांकि तीसरी मांग आबादी विनयमितिकरण्र की 450 वर्गमीटर सीमा बढ़ाकर 1000 वर्गमीटर किया जाए इस पर बातचीत की जा रही है।

इस पर भी जैसे कोई निष्कर्ष निकलेगा बताया जाएगा। उन्होंने किसानों ने कहा कि कोई भाई दिल से मुर्दाबाद के नारे नहीं लगा रहा ये आपके अंदर का आक्रोश है। आगे आप ही हमे गले भी लगाओगे।

122 दिन से कर रहे प्रदर्शन

पैदल मार्च के दौरान ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। सुखवीर खलीफा ने कहा कि ये लड़ाई करो या मरो की है। इसलिए जब तक हम अपना हक नहीं लेंगे यहां से जाने वाले नहीं है। किसानों का आरोप है डेढ़ साल पहले भी 122 दिन के प्रदर्शन में मांगों को लेकर सांसद और विधायक के सामने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने समझौता कराया था। लेकिन एक भी मांग को पूरा नहीं किया गया।

जो समझौता अब तक अधूरा है उसे पूरा कराकर ही किसान वापस लौटेगा। वे अधिकारियों सांसद और विधायक के झूठे बहकावे में नहीं आएंगे। जिसके कारण किसानों में भारी आक्रोश है। इस घिराव में 105 गांवों के किसान शामिल होंगे।

इन मांगों पर हुआ था समझौता

1997 के बाद के सभी किसानों को बढ़ी दर से मुआवजा दिया जाए। चाहे वह कोर्ट गए हो या नहीं

किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूखंड दिया जाए।

आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए। विनियमितीकरण की 450 वर्गमीटर सीमा को बढ़ाकर 1000 प्रति वर्गमीटर किया जाए।

भूमि उपलब्धता न होने के कारण पात्र किसानों के 5 प्रतिशत आबादी भूखंड भू लेख विभाग में नहीं रोके जाएंगे। उनका नियोजन किया जाए।

भवनों की ऊंचाई को बढ़ाए जाने की अनुमति दी जाए। क्योंकि गांवों के आसपास काफी हाइराइज इमारत है। ऐसे में उनका एरिया लो लेयिंग एरिया में आ गया है।

5 प्रतिशत विकसित भूखंड पर व्यवसायिक गतिविधियां चलने की अनुमति दी जाए।

गांवों के विकास के साथ खेल बजट का प्राविधान किया जाए।

गांवों में पुस्तकालय बनाए जाए।

बिना बिल दिए 94.61 करोड़ का पानी पी गए बिल्डर

प्राधिकरण ने जारी की टॉप-10 बिल्डरों की सूची, ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट पर चस्पा करेगा नोटिस

नोएडा। प्राधिकरण पानी के बकायादार के ऊपर सख्त हो गया है। ग्रुप हाउसिंग टॉप-10 बड़े बकायादार के खिलाफ उनके परिसरों में नोटिस चस्पा करने के निर्देश सीईओ लोकेश एम ने बैठक के दौरान दिए। उन्होंने जन खंड प्रथम, द्वितीय और तृतीय के कार्यों की समीक्षा की। बताया गया कि 2023-24 में जल राजस्व का लक्ष्य 120 करोड़ रुपए था। जिसमें इस साल 94.45 करोड़ रुपए प्राप्त किए गए। वहीं विगत कई सालों से 10 ग्रुप हाउसिंग बिल्डरों पर करीब 94.61 करोड़ का बकाया है।

सीईओ ने शहर में पानी की सप्लाई के लिए 4 निर्माणाधीन रेलीवेल जिसमें 1,2, 3 और 5 का निर्माण अप्रैल तक पूरा करने को कहा। इसके अलावा दो और रेनीवेल 4 और 6 का निर्माण तत्काल प्रभाव से शुरू कराने का निर्देश दिया गया। वहीं नोएडा में स्मार्ट मीटर योजना के तहत लगाए गए मीटर

(बल्क और घरेलू मीटर) से रोजाना प्राप्त हो रहे जल खपत को किलो लीटर में दर्शाते हुए वर्तमान में जल विभाग द्वारा प्रभावी जल राजस्व के अनुसार बिल जनरेट करते हुए जल खपत के सापेक्ष गणना की जाए।

साथ ही जिन शहरों में स्मार्ट मीटर लगे है वहां जल राजस्व का अध्ययन करते हुए योजना को लागू कराया जाए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोंडली ड्रेन में 24 ड्रेनों का पानी जाता है। ये पानी अब भी ब्लैक है। सभी औद्योगिक इकाइयों का सर्वे यूपीपीसीबी के साथ करते हुए नालों में छोड़े जा रहे अन ट्रीटेड वेस्ट वाली कंपनी को चिह्नित किया जाए।

नालों की साफ-सफाई के लिए बनाए गए क्रियाशील वेटलैंडों को 15 फरवरी तक अनुरक्षण कार्य पूरा कर लिया जाए।

पेयजल के हिसाब से गंगाजल परियोजना को माह मई 2024 करते हुए रेनीवेल व गंगाजल मिश्रित जला पूर्ति नोएडा शहर वासियों को सुनिश्चित किया जाए। एनजीटी के निर्देश के क्रम में तालाबों के जीर्णोद्धार शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

पानी बिल के टॉप 10 डिफाल्टर

ग्रेनाइट गेट प्रॉपर्टी प्राइवेट लिमिटेड 23.65 करोड़

टुडे होम्स नोएडा प्राइवेट लिमिटेड 11.03 करोड़

अजनारा इंडिया लिमिटेड 6.19 करोड़

सुपरटेक (आरसी) 12.43 करोड़

सुपरटेक लिमिटेड 2.16 करोड़

लाजिक्स इंफ्रास्ट्रचर प्राइवेट लिमिटेड 2.01 करोड़

गवर्नमेंट एंड पब्लिक सेक्टर इम्प्लाए कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी 1.71 करोड़

लाजिक्स सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड 17.48 करोड़

एसडीएस इंफ्रास्टेक प्राइवेट लिमिटेड 16.23 करोड़

सुपरटेक लिमिटेड 93ए 1.72 करोड़

इंडी गठबंधन के उद्देश्यों की एकता के लिए प्रतिबद्ध : पीडीपी

श्रीनगर। आईएनडीआईए गठबंधन के सदस्य दलों में शामिल जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने सोमवार को गठबंधन के बैनर तले उद्देश्यों की एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

पार्टी ने यह बात कोर ग्रुप की बैठक के बाद कही। इसमें जम्मू-कश्मीर में मौजूदा राजनीतिक स्थिति का जायजा लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने की, जिसमें आगामी आम चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि बैठक में महत्वपूर्ण चुनावों के लिए प्रारंभिक योजनाओं पर चर्चा की गई, जिसके परिणामस्वरूप पिछले छह वर्षों के प्रत्यक्ष केंद्रीय शासन और लोकतांत्रिक संस्थानों की अनुपस्थिति के दौरान क्षेत्र के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़नी चाहिए।

प्रवक्ता ने कहा, कोर ग्रुप की राय में इन चुनावों में उन आवाजों को बढ़ावा देना चाहिए, जो हमारे देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच में लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व कर सकें और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को बहाल करने के लिए प्रभावी उपाय तलाश सकें।

बैठक में पार्टी अध्यक्ष और अन्य नेताओं के आउटरीच कार्यक्रमों को जल्द ही फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया। कोर ग्रुप ने कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के निवासियों से व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की हाल ही मेंपहल के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस चिंताजनक घटनाक्रम की कड़ी निंदा की और इसे आम कश्मीरियों के अंतर्निहित अधिकारों और पहचान पर सीधा हमला बताया।

कश्मीर : किरू जलविद्युत परियोजना मामले में सीबीआई ने आठ जगहों पर ली तलाशी

श्रीनगर । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सिविल कार्यों के लिए निविदा देने में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले की जांच के तहत सोमवार को दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में लगभग आठ स्थानों पर तलाशी ली। किरू जलविद्युत परियोजना का क्रियान्वयन चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीवीपीपीपीएल) द्वारा किया जा रहा है। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि तलाशी में लगभग 21 लाख रुपये से अधिक की नकदी के अलावा डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, संपत्ति दस्तावेज तथा आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। तत्कालीन अध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी (1994 के आईएएस अधिकारी) के खिलाफ जम्मू-कश्मीर सरकार से प्राप्त एक संदर्भ के आधार पर तत्कालीन प्रबंध निदेशक; सीवीपीपीपीएल के तत्कालीन निदेशक; एक निजी कंपनी और अज्ञात अन्य के खिलाफ तत्काल मामले दर्ज किये गये थे। यह आरोप लगाया गया था कि किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में, ई-टेंडरिंग के संबंध में दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया था। यह भी आरोप लगाया गया कि हालांकि सीवीपीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में रिवर्स नीलामी के साथ ई-टेंडरिंग के माध्यम से पुनर्निविदा करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन चल रही निविदा प्रक्रिया को रद्द करने के बाद इसे लागू नहीं किया गया और बोर्ड की 48वीं बैठक में 47वीं बैठक के निर्णय को पलट दिया गया। भ्रष्टाचार के आरोपों को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उजागर किया था।

घर बुलाकर लाठी डंडों से पीटकर यूट्यूबर की हत्या

मृतक के पिता ने 7 आरोपियों पर दर्ज कराया केस

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में पड़ोसियों पर घर में बुलाकर एक यूट्यूबर को बेरहमी से लाठी डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की इलाज के दौरान सोमवार शाम ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में मौत हो गई।

इस संबंध में पीड़ित पक्ष में 7 आरोपियों को नामजद करते हुए सोमवार को कोतवाली में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव निवासी बलबीर ने बताया कि पड़ोस के रहने वाले मनीष, प्रिंस, विक्की, योगेंद्र, विजे, कपिल और मिंकू उनके बेटे दीपक को रविवार रात अपने घर

बुलाया। जहां आरोपियों ने उसको जबरन शराब पिलाई। इस दौरान आरोपियों से उसके बेटे का विवाद हो गया।

इसके बाद जब उनका बेटा नशे में हो गया तो आरोपियों ने उसको लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। इस घटना दीपक के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई। मामले की जानकारी होने पर घायल अवस्था में परिवार के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम दीपक की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सोशल मीडिया पर कामेडी समेत विभिन्न तरह की वीडियो बनाता था

बताया जाता है कि मृतक दीपक के यूट्यूब और इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया पर लाखों से ज्यादा फॉलोअर्स है। जिसकी मौत के बाद उसके परिवार और प्रशंसकों में मातम पसर गया है।

बताया जाता है कि दीपक अपनी मम्मी के साथ सोशल मीडिया पर कॉमेडी समेत विभिन्न तरह की विडियो बनाकर उनको अपलोड करता था।

जल्द ही फरार आरोपियों गिरफ्तार कर लिया जाएगा: पुलिस

पड़ोसियों से हुए विवाद के चलते वह घायल हो गया। जिसकी मौत होने से गांव में शोक की लहर है। इस बारे में दनकौर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीजेपी नेता को आया ईडी का बुलावा, 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत लेने का है आरोप

नई दिल्ली। (पी एम ए) अरविंद खन्ना पर 2008 में ब्राजीलियाई फर्म के पक्ष में डीआरडीओ के साथ 3 विमानों का सौदा करने के लिए 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप है।

केंद्र सरकार पर विपक्षी दल हमेशा आरोप लगाते रहते हैं। उनका कहना होता है कि विपक्ष को परेशान करने के लिए केंद्र हमेशा ईडी का सहारा लेता आया है। ईडी का एक्शन अक्सर विपक्षी नेताओं के खिलाफ ही होता है। विपक्ष के इन आरोपों के उलट अब ईडी ने भाजपा के एक पूर्व विधायक को समन जारी किया है। पंजाब के बीजेपी नेता और पूर्व विधायक अरविंद खन्ना को मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी ने एक समन भेजा है। इस समन में उन्हें 30 जनवरी तक अदालत में पेश होने का समय दिया गया है।

क्या है मामला

अरविंद खन्ना को भ्रष्टाचार मामले से संबंधित मामले में जांच तलब किया गया है। जानकारी के अनुसार, 2008

में ब्राजीलियाई फर्म के पक्ष में डीआरडीओ के साथ 3 विमानों का सौदा करने के लिए 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत दी गई थी। ईडी की ओर से साल 2020 में इस मामले में एक चार्जशीट दायर की जा चुकी है। बता दें कि हाल ही में एक विशेष सीबीआई कोर्ट में दायर चार्जशीट में जांच एजेंसी ने आपराधिक साजिश से संबंधित IPC की धारा 120-क के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों को लागू किया है। CBI ने जून 2023 में हथियार डीलर अरविंद खन्ना, व्यवसायी अनूप गुप्ता और वकील गौतम खेतान के खिलाफ एक आरोप पत्र दायर किया था।

अरविंद खन्ना वर्तमान में पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष हैं। वह 2 बार कांग्रेस से विधायक रहे हैं। बता दें कि स्नड्ढक्रमें नामित अभियुक्तों में रक्षा सलाहकार विपिन खन्ना भी शामिल थे। विपिन खन्ना बीजेपी उपाध्यक्ष अरविंद खन्ना के पिता थे। उनकी मृत्यु के बाद उनके खिलाफ कार्यवाही को बंद कर दिया गया था। आरोप लगा है कि सिंगापुर स्थित कंपनी इंटरडेव के माध्यम से 2009 में उन्हें कमीशन का भुगतान किया गया था। अरविंद पहली बार 2002 से 2007 तक संगरूर से विधायक रहे। इसके बाद 2012 - 2015 तक धुरी से विधायक थे। अरविंद खन्ना 2 साल पहले बीजेपी में शामिल हुए थे।

जम्मू-कश्मीर में ओजीडब्ल्यू की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकवादियों को 'जानबूझकर शरण देने' के आरोप में एक ओवर ग्राउंड वर्कर (आतंकवादियों के सहायक) (ओजीडब्ल्यू) की संपत्ति कुर्क कर ली। पुलिस ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा के एक ओजीडब्ल्यू, रुडबुघ मगाम के मोहम्मद रमजान मीर के आवासीय घर को पुलिस स्टेशन मगाम में दर्ज एक मामले की जांच के बाद सोमवार को कुर्क किया गया। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, एफआईआर नंबर 05/2023 यू/एस, 307-आईपीसी 7/27 आर्म्स एक्ट 16, 19, 20, 23, 39 यूए (पी) एक्ट ऑफ पी/एस मगाम गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम की जांच के दौरान पता चला कि मोहम्मद रमजान मीर की संपत्ति गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धारा 2 (जी) के तहत आतंकवाद की आय के रूप में अर्जित की गई, जिसका इस्तेमाल जानबूझकर आतंकवादियों को शरण देने के लिए भी किया गया था।

रामलला के दर्शनों को हरिद्वार से भक्तों को लेकर विशेष आस्था रेल रवाना

देहरादून। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बरसों बाद अपने घर में विराजे राम लला के दर्शनों को लालायित भक्तों से भरी, विशेष 'आस्था रेल' पहली बार यहां से रवाना हुई।

यह ट्रेन मंगलवार सुबह अयोध्या पहुंचेगी। ट्रेन को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फ्लैग ऑफ किया। इस ट्रेन से 1504 श्रद्धालु प्रथम रवानगी में अयोध्या पहुँचेंगे।

इस अवसर पर धामी ने हरिद्वार से अयोध्या के मध्य आस्था स्पेशल ट्रेन के संचालन की शुभकामनाएं देते हुए ट्रेन के संचालन पर प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून सहित गढ़वाल व कुमाउं क्षेत्र के रामभक्तों को सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए हम सभी ने कितना संघर्ष किया, अब हमें उस संघर्ष का प्रतिफल प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार में मिला है।

धामी ने कहा कि राम मंदिर के लिए चलाए गए आंदोलन में अर्पण भी था, तर्पण भी था, संघर्ष भी था, संकल्प भी था।

उन्होंने कहा कि जिनके त्याग, बलिदान और संघर्ष से वर्षों पुराना ये स्वप्न साकार हुआ, जिनकी तपस्या राममंदिर में नींव की भांति जुड़ी हुई है, मैं उन सभी लोगों को नमन करता हूँ, उनका वंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने भगवान भास्कर के सानिध्य में सरयू के किनारे एक स्वर्णिम अध्याय रचा है।

शार्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के मालखाने में भीषण आग, मौके पर पहुंची दमकल की 5 गाड़ियां

नई दिल्ली। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के मालखाने में आग लगने की सूचना मिली। मामले की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। मिली जानकारी के मुताबिक, आग लगने की खबर पुलिस मालखाने से मिली थी। रेस्क्यू के लिए वहां दमकल विभाग ने आठ गाड़ियों को भेजा। पुलिस मालखाने में कम से कम 200 चार पहिया वाहन और 250 दो पहिया वाहन चपेट में आ गए हैं। मालाखाना 500 स्क्वायर यार्ड में बना हुआ है। खबर लिखे जाने तक कोई हतात नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीती रात को वजीराबाद में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में भीषण आग लग गई। जहां रेस्क्यू के लिए दमकल विभाग ने कई गाड़ियां पहुंचीं। सोमवार सुबह 4 बजकर 15 मिनट पर आग पर काबू पाया गया।

नोएडा में गार्ड-बाउंसरों ने युवक को पीटा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में गार्ड और बाउंसरों ने एक रेजिडेंट को बेरहमी से पीटा। उसके पेट और चेहरे ताबड़तोड़ वार किए। वह छोड़ने की मिन्नतें करता रहा, लेकिन एक नहीं सुनी। घटना रविवार रात आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी की है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, रविवार रात गार्ड और बाउंसर एक डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट कर रहे थे। यह देखकर सोसायटी में ही रहने वाले अवनीश डिलीवरी बॉय को बचाने गए। उसने गार्ड और बाउंसरों को रोकने की कोशिश की। इसके बाद गार्ड और बाउंसर भड़क गए। उन्होंने अवनीश को घेर लिया और लात-घूसों से उसे पीटना शुरू कर दिया। 5-6 की संख्या में गार्ड और बाउंसरों अवनीश पर टूट पड़े। उसे बुरी तरह पीटा। इसमें अवनीश को गंभीर चोट आई है। घटना के बाद सोसाइटी के लोग जुट गए। काफी देर तक हंगामा हुआ। रविवार रात डिलीवरी बॉय किसी रेजिडेंट को डिलीवरी देने के लिए आया था। मगर गार्ड्स ने उसे गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान डिलीवरी बॉय के साथ गार्ड्स ने बदतमीजी की। फिर 2-3 बाउंसर भी आ गए। इसके बाद सभी उसके साथ मारपीट करने लगे। उस समय रेजिडेंट अवनीश कुमार टहल रहे थे। अवनीश कुमार ने बताया, यह देखकर मैं मौके पर पहुंचे।

पिता और बेटे पर कई लोगों ने किया हमला

कौशांबी। थाना क्षेत्र के केबीसी बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह में दिल्ली से आए पिता और बेटे पर कुछ लोगों ने अचानक हमला कर दिया। बुरी तरह घायल होने पर दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना 15 जनवरी की रात की है। पिता ने शुक्रवार को कौशांबी थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी थी। दिल्ली मौजपुर के विजय पार्क निवासी मनोज कुमार जैन ने शिकायत दी कि 15 जनवरी को केबीसी बैंक्वेट हॉल में उनके परिचित के परिवार के सदस्य की शादी थी। वह बेटे आकाश को साथ लेकर समारोह में शामिल हुए थे। रात 11 बजे पिता और पुत्र दोनों गाड़ी लेने के लिए पार्किंग में पहुंचे तो आकाश गाड़ी मोड़ कर खड़ी कर रहा था जबकि वह शौच करने के लिए कुछ दूर चले गए थे। कुछ सेकंड बाद लौटे तो देखा कि चार-पांच लोग आकाश को बुरी तरह पीट रहे हैं। उन्होंने बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों पर हमला कर दोनों को लहूलुहान कर दिया। दोनों आरोपियों के चंगुल से छूटकर भागे और अपनी जान बचाई। घर से सीधा दोनों अस्पताल इलाज कराने गए। 26 जनवरी को दोनों कौशांबी थाने पहुंचे। पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि बैंक्वेट हॉल की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच की। उसमें से शिकायतकर्ता ने आरोपियों की पहचान विपिन खोकर, विकास जैन, सुरेंद्र कुमार कश्यप और बंटी व अन्य के रूप में की।

युवक ने मालवाहक का डंडे से शीशा तोड़ा

साहिबाबाद। मोहननगर चौराहे के पास रविवार रात ओवरटेक के विवाद पर होंडा सिटी कार में सवार युवक ने हॉकी से मालवाहक वाहन में तोड़फोड़ की। आरोप है कि कहासुनी में मामला बिगड़ गया जिसके बाद युवक ने गाड़ी से हॉकी निकालकर हेडलाइट तोड़कर गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। घटना के दो वीडियो एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हो गए। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। मामले में मालवाहक के चालक ने शिकायत देकर मुकदमा कराया है। रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हाथ में हॉकी लेकर मालवाहक वाहन में तोड़फोड़ करते युवक का वीडियो वायरल हुआ था। साहिबाबाद पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में वसुंधरा निवासी मितुल गाड़ी लेकर अन्य युवक के साथ मोहननगर की तरफ आ रहे थे। उसी दौरान लोनी बॉर्डर निवासी नितिन मालवाहक वाहन लेकर जा रहा था। आरोप है कि ओवरटेक करने पर दोनों में कहासुनी हो गई। कुछ दूर जाकर होंडा सिटी गाड़ी सवार दो युवक उतरे। उनमें से एक मितुल नाम के युवक ने हॉकी से मालवाहक वाहन की हेडलाइट तोड़ी फिर टूटी हॉकी को चालक की तरफ जोर से मार दिया।

आईआईटी ने 178 करोड़ के एस्टिमेट को दी स्वीकृति, औद्योगिक क्षेत्रों में बनेंगी सड़के

गाजियाबाद। शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, नाले-नालियों के निर्माण के लिए बनाए गए 178 करोड़ के प्रोजेक्ट को आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स ने स्वीकृति दे दी है। अब शहर के चार औद्योगिक क्षेत्रों में निर्माण कार्य का रास्ता साफ हो गया। यूपीसीडा (उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के अधिकारी मार्च में इन निर्माण कार्यों को शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र, लोहा मंडी, कविनगर औद्योगिक क्षेत्र और बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें काफी खराब हालत में हैं। गहरे गड्ढों की वजह से यहां ट्रकों का आवागमन भी मुश्किल है। उद्यमी लंबे समय से नगर निगम के अधिकारियों से यहां सड़कों और जल निकासी के लिए नालों का निर्माण कराने की मांग कर रहे थे। नगर निगम ने फंड की कमी की वजह से निर्माण कराने से हाथ खड़े कर दिए थे। इसके बाद यूपीसीडा ने इन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए फंड आवंटित किया। साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र के लिए 20.25 करोड़, लोहामंडी के लिए 37.46 करोड़, साउथ साइड जीटी रोड औद्योगिक क्षेत्र के लिए 22.56 करोड़ रुपये और बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया के लिए 98.18 करोड़ रुपये आवंटित कर सड़कों और नाले निर्माण के लिए एस्टिमेट तैयार कर परीक्षण के लिए दिल्ली आईआईटी को भेजे थे।

पुलिस ने दिलाई नियमों का पालन करने की शपथ

गुरुग्राम। डीसीपी ट्रैफिक विरेंद्र विज के निर्देशन में यातायात पुलिस ने जागरूकता अभियान की पाठशाला लगाते हुए मॉल कर्मचारियों, दुकानदारों, आम नागरिकों और ब्लिंकिट कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। एसीपी ट्रैफिक सुखबीर सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार, जोनल अधिकारी महेश कुमार व आरएसओ टीम द्वारा सेक्टर-37 के एस्पेंडलिश मॉल में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें करीब 150 एसएलवी गार्ड व हाउस कीपिंग स्टॉफ को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सभी कर्मियों को यातायात के नियमों, नशामुक्ति, अपने वाहनों को दी गई निर्धारित स्पीड के अनुसार ही चलाने व वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने सहित विभिन्न प्रकार के यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

कितनी भी बिजली करो प्रयोग, बिल आएगा शून्य; साथ ही होगी कमाई : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने राजधानी में सोलर पॉलिसी 2024 को लेकर इसके बारे में लोगों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरा प्लान बताया।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने 2016 में सोलर पॉलिसी पास की थी। पूरे देश में इसे सबसे प्रोग्रेसिव सोलर पॉलिसी मानी गई। इसने ही सोलर पॉवर की बुनियाद रखी। दिल्ली सरकार ने नई सोलर पॉलिसी 2024 लागू की है।

बिल शून्य ही नहीं, कमाई भी कर सकेंगे

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने नई सौर ऊर्जा नीति, सौर नीति 2024 जारी की है। अब तक 2016 की नीति लागू थी, यह देश की सबसे प्रगतिशील नीति थी। दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त, 400 तक आधी यूनिट और उससे ऊपर का पूरा बिल वसूला जाता है।

नई सोलर नीति के तहत जो लोग अपनी छत पर सोलर पैनल लगाएंगे, उनका बिजली बिल शून्य होगा, चाहे वे कितनी भी यूनिट बिजली का उपभोग करें। इससे आप हर महीने 700-900 रुपए कमा सकते हैं। जो लोग सोलर पैनल पर खर्च करेंगे, उनको 4 साल में रिटर्न मिल जाएगा।

नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने पर भी बोले

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन से अलग होकर एनडीए में शामिल होने पर केजरीवाल ने कहा कि मेरे हिसाब से उन्हें नहीं जाना चाहिए था।

उन्हें सही नहीं किया, ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं। उनके इस कदम से बिहार में इंडिया गठबंधन को फायदा होगा न की एनडीए को।

यूजी, पीजी व पीएचडी के लिए ऑन लाइन पंजीकरण एक फरवरी से

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपी) में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर व पीचएडी के लिए एक फरवरी से ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं, नए पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन सात फरवरी से शुरू होंगे। पंजीकरण के लिए छात्रों को 1500 रुपये फीस का भुगतान करना होगा। नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रम चार वर्षीय होंगे। हालांकि, इसमें वह पाठ्यक्रम शामिल नहीं किए गए हैं, जो वैधानिक बॉडी के हैं। इनमें एमबीबीएस, बीडीएस व एलएलबी समेत कई कोर्स हैं। इस बार 44 पीजी, 37 यूजी और 35 पीएचडी पाठ्यक्रम दो कैंपस के साथ 115 संबद्ध संस्थानों के लिए आवेदन होंगे। सभी प्रोग्राम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च है। आवेदकों के सुविधा के लिए यूनिवर्सिटी सुविधा केंद्र सुचारु रूप से चल रहा है।

कैट और सीमैट के आधार पर एमबीए में दाखिले और क्लैट के आधार पर लॉ की काउंसिलिंग अप्रैल में शुरू होगी। यूनिवर्सिटी की ओर आयोजित समस्त प्रवेश परीक्षाएं 27 अप्रैल से 12 मई तक ओएमआर शीट पर ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएंगी। काउंसलिंग जून से शुरू होकर जुलाई तक पूरी की जाएगी।

सर्वोदय हॉस्पिटल करेगा बच्चों की मुफ्त हार्ट सर्जरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद में सेक्टर आठ स्थित सर्वोदय हॉस्पिटल ने एक नये प्रोग्राम 'विक्टोरियस हार्ट्स' की घोषणा की है, जिसके तहत जन्मजात हृदय रोगों से पीड़ित जरूरतमंद बच्चों की 26 मुफ्त हार्ट सर्जरी की जायेंगी।

फरीदाबाद के रोटरी क्लब के सहयोग से इसकी शुरुआत 26 जनवरी को भारत के 75वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर की गयी।

इस नये सीएसआर प्रोग्राम में हार्ट सर्जरियों के साथ- साथ हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों की जांच के लिये एक स्क्रीनिंग प्रोग्राम भी आयोजित किया जायेगा। इस स्क्रीनिंग प्रोग्राम में बच्चों में हृदय रोगों के लक्षणों की जांच की जायेगी, जो आगे चलकर जटिलताओं का कारण बन सकते हैं।

हॉस्पिटल ने स्क्रीनिंग को लम्बे समय तक जारी रखने की योजना बनायी है और ज़रूरत पड़ने पर अधिक सर्जरियां भी उपलब्ध कराई जायेंगी।

विक्टोरियस हार्ट्स इनीशिएटिव सर्वोदय हेल्थकेयर की यह नयी पहल है। इससे पहले भी भारत, अफगानिस्ताप और गुयाना के बच्चों के लिये मुफ्त कार्डियक सर्जरियां की जा चुकी हैं। टीम हर साल 1000 से अधिक पीडिएट्रिक कार्डियक सर्जरियां करती है।

इसके अलावा अस्पताल ने सरकार की एडीआईपी योजना के सहयोग से 250 से अधिक बच्चों की मुफ्त कॉक्लियर इम्प्लान्ट सर्जरिंया भी की हैं और उन्हें इम्प्लान्ट के बाद व्यापक सपोर्ट प्रोग्राम भी उपलब्ध कराया है। विक्टोरियस हार्ट्स इनीशियेटिव की तरह 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के तहत अस्पताल ने 25 बच्चियों की मुफ्त डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध करायी है।

रन फॉर नेशन के साथ क्रॉसिंग में मनाया गणतंत्र दिवस का जश्न

गाजियाबाद। देश के पचहत्तरवें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में क्रॉसिंग रिपब्लिक सांस्कृतिक कला संगम समिति की ओर से रन फॉर नेशन का आयोजन किया गया, जिसमें हर आयु वर्ग के चार सौ लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन सर्वोदय हेल्थ केयर, माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल एवं क्रॉसिंग रिपब्लिक सांस्कृतिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें सारे प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किया गया।

प्रतिभागिता की संख्या को देखते हुए तीन-चार दिन पूर्व से ही सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं विब नंबर प्रदान कर दिया गया था।

क्रासिंग्स रिपब्लिक के इस रन फॉर नेशन 2024 के दौड़ में भीषण ठंड के बावजूद आठ वर्ष से लेकर 71 वर्ष तक के कुल चार सौ लोगों ने हिस्सा लिया। स्वतन्त्रता दिवस की प्रात: साढ़े छ: बजे ही प्रतिभागीगण प्रतियोगिता स्थल ग्लास गेट पर एकत्रित हो गए थे। लोगों के जुनून को देखते हुए फ्रीडम रन प्रात: सात बजे आरंभ कर दिया गया। रिपब्लिक डे के जश्न का काफिला पैरामाउंट के ग्लास गेट से आरंभ होकर एसोटेक, शाहबेरी ब्रिज, क्लेमेंट सिटी, सफायर स्कूल, जीएच-7, कासमस गोल्डन हाइट्स, गोल्फ कोर्स, गोल चक्कर, अजनारा, गौर ग्लोबल, सुपरटेक होते हुए पुन: पैरामाउंट ग्लास गेट पहुंचा।

इसी क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पचपन वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुष विजेताओं जसवीर सिंह ढिल्लो, अनिल कुमार मिश्र, के डी सिंह को तथा महिला विजेताओं सुब्रता सिंह, प्रेम शीला श्रीवास्तव एवं जस पाल कौर को ट्राफी से सम्मानित किया गया। सोलह से पचपन आयु वर्ग के पुरुष विजेताओं हर्ष राजपूत, रोहन, आयुष को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सोलह से पचपन आयु वर्ग के महिला विजेताओं को तथा आठ से पंद्रह वर्ष के बालक एवं बालिकाओं के तीन-तीन विजेताओं विनर, रनर प्रथम, रनर द्वितीय को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मैराथन के पश्चात दस फीट चौड़ा एवं पंद्रह फीट लंबा तिरंगा फहरा करके सर्वोदय के चिकित्सक, माउंट लिटेरा की प्राचार्या, क्रॉसिंग पुलिस चौकी प्रभारी अशोक एवं सांस्कृतिक समिति के पदाधिकारियों सहित संभ्रांत नागरिकों ने झंडे को सलामी दी एवं राष्ट्रगान हुआ। जश्न के जुनून में भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयकारों से पूरा क्रॉसिंग रिपब्लिक गूंज उठा।

इस अवसर पर सर्वोदय हेल्थ केयर की ओर से सेल्फी खींचो प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था जिसमें से तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सांस्कृतिक समिति के पदाधिकारियों क्षितिज सिंघल, तरुण भारद्वाज, विवेक शर्मा, रवि गुप्ता, आशीष सक्सेना, नीरज कुमार जगेटिया, डॉ. दिनेश शर्मा, आर सी सिंह, मुकेश श्रीवास्तव, बी पी एस भाटिया, अर्चना अग्निहोत्री, संजू यादव, डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव शिखर', तरुण माथुर आदि ने कार्यक्रम का कुशल संयोजन किया। सर्वोदय हास्पीटल गौर सिटी के स्टाफ फर्स्ट-एड की टीम एवं एंबुलेंस आदि की सुचारु व्यवस्था के साथ मुस्तैदी से डटे रहे। क्रासिंग रिपब्लिक के सभी उन्तीस सोसाइटीज में झंडा फहराने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

न्यूज़क्लिक के संपादक, एचआर प्रमुख की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। (पी एम ए) दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को मीडिया आउटलेट न्यूज़क्लिक पर लगे आरोपों पर यूएपीए के प्रावधानों के तहत दर्ज मामले में इसके संस्थापक-संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी तक बढ़ा दी। इन पर चीन के समर्थन में प्रचार प्रसार के लिए पैसे लेने का आरोप है।

इससे पहले 9 जनवरी को अदालत ने चक्रवर्ती को सरकारी गवाह बनने की अनुमति दे दी थी। उन्होंने विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर के सामने एक आवेदन दायर कर माफी की मांग भी की थी। चक्रवर्ती ने दावा किया था कि उनके पास ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी है जिसका वह दिल्ली पुलिस को खुलासा करना चाहते हैं। अदालत ने पिछले साल 22 दिसंबर को दिल्ली पुलिस को जांच पूरी करने के लिए 60 और दिन का समय दिया था। पुलिस ने अधिकतम अवधि के विस्तार की मांग की जो कि यूएपीए सहित विशेष अधिनियमों के तहत दर्ज मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी के दिन से 180 दिन है। पुलिस के आवेदन में मामले में काफी सारे दस्तावेज और सबूत पर जोर दिया गया, जिसमें कहा गया कि एजेंसी को दिल्ली के बाहर दौरा करने की जरूरत है, इसलिए जांच में समय लग सकता है। स्पेशल सेल ने मामले के संबंध में 17 अगस्त, 2023 को न्यूज़क्लिक के खिलाफ यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की थी। अगस्त में, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच में न्यूज़क्लिक पर कथित तौर पर चीनी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम से जुड़े नेटवर्क द्वारा वित्त पोषित संगठन होने का आरोप लगाया गया था।

युवक ने पंखे से लटक कर दे दी जान

नोएडा। नोएडा की छिजारसी कॉलोनी में रहने वाले एक युवक ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि युवक की हाल में ही शादी तय हुई थी। हालांकि पुलिस आत्महत्या के कारणों की स्पष्ट जानकारी के लिए जांच में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से अमरोहा का रहने वाला 26 वर्षीय अंकित नोएडा के सेक्टर-63 स्थित छिजारसी गांव में रहता था। सोमवार सुबह उसने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

लग्जरी कार से शराब तस्करी करने वाले तीन गिरफ्तार

रेड और ब्लैक लेबल की 36 बोतल बरामद; 60 हजार रुपए है कीमत

नोएडा। लग्जरी कार से महंगी शराब की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को थाना सेक्टर-63 और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से गाड़ी में छिपाकर तस्करी कर हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब रेड लेवल एवं ब्लैक लेवल की कुल 36 बोतल बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 60,000 रुपए आंकी जा रही है।

आबकारी निरीक्षक अभिनव शाही को सूचना मिली कि कुछ लोग सियाज कार में हरियाणा से शराब लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर उन्होंने थाना सेक्टर-63 पुलिस के साथ मिलकर एक सियाज कार को जांच के लिए रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसमें से दो पेटी रेड लेबल और एक पेटी ब्लैक लेबल शराब की बरामद हुई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान स्वागत, अशोक कुमार और गौरव कुमार हुई है। पकड़े गए तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह हरियाणा से शराब लाकर नोएडा में ऊंची दामों पर बेचते हैं। वह पिछले काफी समय से शराब के धंधे में संलिप्त हैं। पुलिस चेकिंग से बचने के लिए वह शराब तस्करी में लग्जरी वाहन का प्रयोग करते हैं।

तेज रफ्तार की टक्कर से पलटी श्रमिकों से भरी पिकअप

मोदीनगर। मोदीनगर के भोजपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर देर रात तेज रफ़्तार ट्रक ने पिकअप गाड़ी में टक्कर मार दी। जिस कारण पिकअप गाड़ी पलट गई। हादसे में पिकअप गाड़ी में सवार 12 मजदूर घायल हो गए। जिसमे से दो की हालात गंभीर बनी हुई हैं।

सभी घायलों को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पिकअप गाड़ी मेरठ से मजदूर लेकर दिल्ली की ओर दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे मार्ग से जा रही थीं। पिकअप गाड़ी में गाजियाबाद में रेलवे साइट पर काम करने वाले 12 से अधिक मजदूर सवार थे।

उछल कर इधर उधर जा गिरे लोग

बताया जा रहा है कि जब पिकअप गाड़ी दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर गांव पलोता के पास पहुंची तो कोहरे के चलते मेरठ की और से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवर टेक करने के चक्कर में पिकअप गाड़ी में साइड मार दी। साइड लगते ही पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

गाड़ी के पलटते ही चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जबरजस्त थीं कि मजदूर उछल कर इधर उधर जा गिरे। हादसे के बाद दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर जाम जैसी स्थिति बन गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

सूचना मिलते ही भोजपुर पुलिस व एक्सप्रेस वे की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी मजदूरों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालात गंभीर होने के कारण सभी को मेरठ के सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि दो मजदूरों की हालात गंभीर बनी हुई हैं।

किसान-मजदूर संघर्ष मोर्चा ने ट्यूबवेल-ऑपरेटर की मांग का दिया ज्ञापन

10 दिन में मांगों को पूरा नहीं किया तो प्राधिकरण के सभी कर्मचारी अनिश्चित-कालीन धरना देंगे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल निगम के ट्यूबवेल ऑपरेटर की मांगों को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को ज्ञापन सौपा। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रुपम को ज्ञापन सौंपा गया। इन लोगों ने अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यह ज्ञापन सौंपा।

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विकास प्रधान और उपाध्यक्ष आलोक नागर ने कहा कि आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर पंप ऑपरेटर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रुपम से मिला और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उनसे कहा गया कि 10 दिन के अंदर अगर सभी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो प्राधिकरण पर सभी कर्मचारी परिवार सहित अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीओ मेधा रूपम ने सभी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और सभी मांगों को जायज ठहराते हुए जल्द से जल्द समाधान की बात कही।

एसीओ को समस्याओं से कराया गया अवगत

राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोकेश भाटी ने बताया कि समस्त समस्याओं से एसीओ मेधा रुपम को अवगत कराया गया। जिसमे पंप ऑपरेटर की मुख्य समस्याएं पंप ऑपरेटर कर्मचारियों को जैम पोर्टल से जोड़ा जाए। सभी कर्मचारियों का वेतन महीने के पहले सप्ताह में दिया जाए।

2018 के बाद से अब तक कुछ कर्मचारियों को ईएसआई पीएफ नहीं मिला है, उसको तुरंत दिया जाए। ऑन ड्यूटी किसी भी कर्मचारी के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो उसका प्राधिकरण की तरफ से दुर्घटना बीमा अनिवार्य होना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी को महीने में चार छुट्टी मिलनी चाहिए प्राधिकरण की तरफ से जल विभाग के कर्मचारियों को कार्ड महुआ कराया जाए। शासन आदेश के अनुसार समान कार्य वेतन का आदेश सभी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। प्राधिकरण के सभी पंप ऑपरेटर पर लगे कर्मचारियों की सूची सार्वजनिक की जाए। जिससे जल विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार की पोल खुल सके।

तालाबंदी कर प्रदर्शन करेंगे

राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि अगर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पंप ऑपरेटर की सभी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं करेगा तो ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर आज से 10 दिन बाद तालाबंदी कर अनिश्चित कालीन प्रदर्शन करेंगे।

गाजियाबाद मुख्यालय के बाहर सड़क पर बैठे यति सन्यासी

यति नरसिंहानंद गिरी बोले- अब योगी बताएंगे उनसे विरोध प्रदर्शन का अधिकार क्यों छीना

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जूना अखाड़े के महा मंडलेश्वर और शिव शक्ति धाम के महंत यति नरसिंहानंद गिरी की सुरक्षा की मांग को लेकर यति सन्यासी जिला मुख्यालय पर अनशन कर रहे थे। सोमवार की सुबह यति संन्यासियों का आरोप है कि जब वह जिला मुख्यालय पहुंचे तो उनके प्रदर्शन का टेंट हटा दिया गया था। जिसकी वजह से यति सन्यासी जिला मुख्यालय

के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गए। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और शिव शक्ति धाम के महंत यति नरसिंहानंद गिरी ने बताया की पुलिस और प्रशासन की गुंडागर्दी के विरोध में यति सन्यासी सड़क पर बैठे है। यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि अब योगी बताएंगे कि उन्होंने किस हैसियत से विरोध प्रदर्शन का अधिकार हमसे छीना। महंत के मुताबिक उनके शिष्य उनके लिए जेड प्लस सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। आमरण अनशनरत यति सन्यासी पुलिस प्रशासन की गुंडागर्दी के विरोध में जिला मुख्यालय के सामने वाली सड़क पर आमरण अनशन पर बैठ गए।

दम घुटने से मां व दो साल के बेटे की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र में दम घुटने से महिला व दो साल के बेटे की मौत हो गई। परिवार के तीन सदस्य अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित परिवार शनिवार रात को अंगीठी जलाकर सोया था। सुबह पांचों सदस्य बेहोशी की हालत में मिले। पड़ोसियों की सूचना पर सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि कमरे से धुआं बाहर निकलने की कोई जगह नहीं थी। ऐसे में जहरीली गैस से सभी बेहोश हो गए। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि सफदरजंग अस्पताल से रविवार सुबह 6:16 बजे मैदान गाड़ी थाना पुलिस को सूचना मिली कि दिनेश की पत्नी अंजलि (33) व बेटे शंभू को अस्पताल में मृत हालत में भर्ती कराया गया है। पूछताछ करने पर पता चला कि मूलरूप से मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में लालपुर गांव निवासी दिनेश दस साल से असोला में किराये पर रह रहा है। बेटा दिव्यांश (6), बेटी देवांशी (4) और दिनेश अस्पताल में भर्ती हैं। दिनेश असोला के फार्म हाउस में माली है।

संपादकीय

रेलगाड़ियों की लेटलतीफी

विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है।

हाल के दिनों में ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से फिर यही सवाल उठा है कि आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है। फिलहाल हालत यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ देखी जा सकती है। कहने को बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए 'फाग सेफ डिवाइस' यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गाड़ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है?

डुविडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है।

पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है।

ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए 'कवच प्रणाली' के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है।

प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेन यात्रा आज लगातार महंगी होती जा रही है और साधारण लोगों के लिए उसमें जगह सिमट रही है। त्योहारों के मौके पर रेलवे स्टेशनों पर जितनी बड़ी तादाद में लोग अपने गांव-घर जाने के लिए जमा होते हैं, उससे पता चलता है कि जरूरत के मुकाबले ट्रेन सुविधाओं की हालत क्या है।

बिहार में सियासी उलटफेर

राजद के साथ मिल कर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार ने निस्संदेह कई महत्त्वपूर्ण काम किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने जाति जनगणना कराया, खाली पदों पर त्वरित ढंग से भर्तियां कराईं। इस तरह नीतीश कुमार सरकार पर वहां के लोगों में भरोसा मजबूत हुआ। मगर अब उनके ताजा फैसले से निराशा नजर आने लगी है। भाजपा के साथ मिल कर वे सरकार तो चला लेंगे, मगर प्रदेश के लोगों का भरोसा कितना जीत पाएंगे, देखने की बात होगी।

कहते हैं, गठबंधन की सरकार चलाना तनी हुई रस्सी पर चलने जैसा होता है। इसलिए कई बार राजनीतिक दलों को अपने घोषित सिद्धांतों से समझौता भी करना पड़ता है। मगर जिस तरह बिहार में सियासी उलट-फेर हुआ है, वह विचित्र है। नीतीश कुमार ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल से नाता तोड़ कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। फिर वे उसी भाजपा के साथ मिल कर सरकार बना रहे हैं, जिससे सत्रह महीने पहले नाता तोड़ते हुए कहा था कि भाजपा के साथ जाना उनके जीवन की सबसे बड़ी भूल थी। तब उन्होंने यह संकल्प भी दोहराया था कि चाहे उनकी जान चली जाए, पर वे भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। मगर सत्रह महीने बाद फिर उसके साथ हो लिए।

राजनीतिक गठबंधन में मतभेद कोई नई बात नहीं, मगर राजद के साथ उनके क्या ऐसे मतभेद थे, जिसकी वजह से उन्होंने उससे अलग होने का फैसला किया, यह कई लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। दरअसल, राजद के साथ उनकी पार्टी के संबंध बिल्कुल सहज और सामान्य ही दिख रहे थे। नीतीश कुमार के इस तरह पाला बदलने से निश्चय ही अगर किसी को फायदा हुआ है, तो वह है भाजपा। आम चुनाव नजदीक हैं और बिहार में भाजपा के लिए कठिन चुनौती मानी जा रही थी, वह चुनौती अब आसान हो जाएगी।

सबसे बड़ी बात कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नीतीश कुमार की सक्रियता से भी भाजपा को मुश्किलें पेश आ रही थीं। यह गठबंधन चूंकि नीतीश कुमार की पहल पर ही बना था, माना जा रहा था कि अगले लोकसभा चुनाव में यह भाजपा को टक्कर दे सकता है। नीतीश कुमार के भाजपा से हाथ मिला लेने के बाद वह गठबंधन कुछ और कमजोर हो गया है। ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी सीट बंटवारे को लेकर पहले ही अपना एतराज जता और स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला सुना चुके हैं। इस तरह यह भाजपा की दूसरी बड़ी कामयाबी कही जा सकती है।

हालांकि नीतीश कुमार के पाला बदलने की अटकलें कई दिन पहले से लगाई जा रही थीं, मगर राजद के साथ उनके मनमुटाव की वजहें स्पष्ट नहीं थीं। नीतीश कुमार ने इतना भर कहा है कि उनके लोग दिन-रात मेहनत करके काम कर रहे थे और श्रेय दूसरे लोग ले जा रहे थे, इसलिए उनकी पार्टी में इसे लेकर नाराजगी थी। मगर भाजपा के साथ उन्हें अब कोई मुश्किल नहीं आएगी, इसका दावा वे शायद ही कर पाएं, क्योंकि उससे अलग होते समय भी नीतीश कुमार ने यही तर्क दिया था।

राजद के साथ मिल कर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार ने निस्संदेह कई महत्त्वपूर्ण काम किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने जाति जनगणना कराया, खाली पदों पर त्वरित ढंग से भर्तियां कराईं। इस तरह नीतीश कुमार सरकार पर वहां के लोगों में भरोसा मजबूत हुआ। मगर अब उनके ताजा फैसले से निराशा नजर आने लगी है। भाजपा के साथ मिल कर वे सरकार तो चला लेंगे, मगर प्रदेश के लोगों का भरोसा कितना जीत पाएंगे, देखने की बात होगी। पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को खासा नुकसान उठाना पड़ा था। अब जब आम चुनाव नजदीक हैं, भाजपा के साथ जाकर वे उस नुकसान की कितनी भरपाई कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। भाजपा से अलग होकर उन्होंने राजद का हाथ पकड़ा था, तो उनकी काफी सराहना हुई थी। अब उनकी साख इस बात पर निर्भर करेगी कि नई गठबंधन सरकार में वे कितने जन कल्याणकारी फैसले करते हैं।

नीतीश ने पाला बदलकर विपक्षी एकता की जड़ें हिला दीं

अशोक मधुप

आखिर बिहार में नीतीश और उनके जदयू ने विपक्ष के गठबंधन आई एन.डी.आई.ए. से अपना नाता तोड लिया। नीतीश कुमार विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया अलायंस के सूत्राधार रहे हैं। उन्होंने ही भाजपा के विरूद्ध विपक्ष को एकजुट करने की शुरूआत की। एक दूसरे के धूर विरोधी दलों को एक साथ बैठाया, ऐसे में उनके पलटी मार देने से इस गठबंधन को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। नीतीश को बिहार का पलटू राम कहा जाता है, पलटू राम इस बार पलटीमार कर विपक्ष की एकता की जड़े ही हिंला गए।उनके भाजपा के साथ जाने से जनता में साफ संदेश गया कि ये एका सिद्धांत का नही स्वार्थ का था।नीशीथ का प्रयास विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का उम्मीवार बनने का था।उसमें असफल होने और अपने प्रदेश में हुए घटनाक्रम के कारण वे अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए भाजपा के साथ चले गए।

नीतीश कुमार ने खुद विपक्षी दलों को एकजुट करने में पिछले कई माह काफ़ी मेहनत की थी। उन्होंने शुरुआत में ऐसे दलों को कांग्रेस के साथ बिठाने में कामयाबी हासिल की जो राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लेकर सवाल उठाते रहे थे।नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल में सरकार चला रहीं ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को साथ लाने में कामयाब रहे। पटना में गठबंधन की पहली बैठक कराने को भी उनकी कामयाबी माना गया। दूसरी बैठक के बाद से ही नीतीश कुमार के असहज होनी की चर्चा शुरू हो गई। तब कांग्रेस फ्रंट फुट पर आती दिखी । रिपोर्टों में दावा किया गया कि गठबंधन संयोजक न बनाए जाने से वो नाखुश हैं।विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखने को लेकर भी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि नीतीश कुमार ने शिकायत की थी कि उनसे सलाह नहीं ली गई। उनका मानना था कि इंडिया में एनडीए आता है, इसलिए ये नाम न रखा जाए, किंतु उनकी नही सुनी गई। हालांकि, नीतीश कुमार ने अपनी नाराजगी की रिपोर्टों को खारिज कर दिया था।

रविवार को बीजेपी के अगुवाई वाले गठबंधन एनडीए के साथ जाने का फैसला करने के बाद खुद नीतीश कुमार ने अपनी असहजता को साफ़ बयां किया कि 'कुछ ठीक नहीं चल रहा था। दरअस्ल यह चाहते थे कि उन्हें गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए, किंतु

19 दिसंबर को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए सुझाए जाने पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया तो नही दी किंतु उनका गठबंधन से मन उचटने लगा। उन्हें लगने लगा कि कांग्रेस विपक्षी गठबंधन पर हावी होना चाहती है। राहुल की भारत न्याय यात्रा ने इस विद्रोह में आग में घी का काम किया। कायदे ये यात्रा उन प्रदेशों में निकलनी चाहिए थी, जहां कांग्रेस की सरकार हैं। बिपक्षी दलों के सरकार वाले प्रदेश में स्थानीय दल की मर्जी से उसे साथ लेकर ये यात्रा की जानी चाहिए थी।किंतु ऐसा नही हुआ। बंगाल में यात्रा पहुंचने पर ममता बनर्जी को लगा कि उन्हें कमजोर करने के लिए उनके प्रदेश से यात्रा निकाली जा रही है। जरा-जरासी बात पर नाराज होने वाली ममता इस यात्रा के बंगाल में आते ही उछल गईं। उन्हें लगा कि राहुल और कांग्रेस इसके माध्यम से उन्हें कमजोर करना चाहती है। सो उन्होंने बंगाल में अकेले अपने बूते पर पूरे प्रदेश में चुनाव लडने की घोषणा कर दी।यात्रा बिहार में भी आनी थी।

बिहार में नीतीश को अपने सहयोगी रहे लालू यादव के रवैये से लगा कि वह उनकी पार्टी में तोड़फोड़ करना चाहते हैं। दरअस्ल नीशीथ कुमार के इस पलट के पीछे उनकी पार्टी में चल रही राजनीति थी। नीशीथ कुमार को पिछले महीने इसकी भनक तब लगी जब पार्टी के कुछ विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर मीटिंग की थी। इसके साथ ही नीतीश ने तेजी दिखाते हुए ललन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था तथा खुद पार्टी के अधयक्ष बन गए थे। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि उनकी पार्टी में सब कुछ सही नही चल रहा है और उनके और लालू यादव के रास्ते अलग होने वालें हैं। लालू यादव नीतीश पर दबाव दिए थे कि वे तेजस्वी को मुख्य मंत्री बनाए।

नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के महागठबंधन से अलग होकर बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए का हाथ थाम लिया। दोनों ने मिलकर सरकार बना ली। शपथ भी हो गई। ये भी तै हो गया कि जदयू और भाजपा मिलकर बिहार में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

बीजेपी का प्रयास था कि वह विपक्ष की एकता तोड़ सके, सो वह उसमें कामयाब हो गई।उसने बड़ा सोच समझकर ये निर्णय लिया। भाजपा को नीशीथ के साथ लेने से लोकसभा चुनाव में बिहार में फायदा ही होगा नुकसान नही।दूसरे विपक्ष में टूट करके वह इस टूट का फायदा उठाने में लग गई है। उसने प्रचार शुरू कर दिया कि ये स्वार्थ का गठबंधन है। बिहार में सत्ता परिवर्तन के तुरंत बाद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'इंडी अलायंस' सैद्धांतिक रूप से असफल हो चुका है। नड्डा ने पत्रकारों से कहा, हम पहले भी कह चुके हैं कि इंडिया अलायंस अवित्र, ग़ैरवैज्ञानिक है और यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा. और भारत जोड़ो यात्रा जो बेनतीजा समाप्त हुई और अभी की इनकी अन्याय यात्रा और भारत तोड़ो यात्रा और इंडी अलायंस है, यह सैद्धांतिक तौर पर विफल हो चुका है.ये माना जाता है कि उनका संकेत विपक्षी गठबंधन में उनकी भूमिका को लेकर असमंजस की ओर था।

नीतीश के निर्णय से पहले ही टीएमटी भी बंगाल में अकेला चलो की राह पर निकल गई। पंजाब में आप कह ही चुकी है कि वह वहां अकेले चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में अखिलेश कांग्रेस को 11 सीट से ज्यादा देने को तैयार नही।

नीतीश कुमार के रुख को एकजुट होने में लगे सभी विपक्षी दल आश्चर्य में हैं। कांग्रेस अब भी असमंजस में दिख रही है। कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा, 'जिस इंडिया गठबंधन के लिए 23 जून को नीतीश कुमार जी ने विपक्ष की 18 पार्टी को निमंत्रण दिया था, जिसकी पटना में बैठक हुई, फिर जुलाई में बंगलुरु में बैठक हुई, उसके बाद अगस्त में मुंबई में बैठक हुई और तीनों बैठकों में नीतीश जी का बड़ा योगदान रहा. तो हम मान कर चल रहे थे कि वो बीजेपी के खिलाफ लड़ेंगे।

दरअस्ल गैर सिद्धांत की एकजुटता में ऐसा ही होता है। यह एकता सिद्धांत को लेकर नही थी। स्वार्थ की एकता थी।

मतलब का संबंध था। सब इसलिए एक हुए थे ,कि लोक सभा चुनाव में भाजपा को हराना है, इसलिए ये टूटना ही था।टूटने लगा।

इससे पहले भी जब- जब ऐसी एकता हुई है तब तब स्वार्थ के कारण यह टूटी है। इंदिरा गांधी को हराने के लिए हुआ एका हो या राजीव गांधी को सत्ता से बाहर रखने के लिए किया गया गठबंधन ।सब की परिणाम सदा टूटना और बंटना रही है।

संकल्प संयम और अनवरत श्रम सफलता के सूत्र

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है। अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें। सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है।

किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है।

काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है।

लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए।

अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है । अत: दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगा।

बुजुर्ग वट वृक्ष का घना साया।

आया जब भी वट वृक्षका घना साया,
बुजुर्गों का हाथ सिर पर जब घनेरा आया।

उनके चेहरे की सलवटे नहीं आशीर्वचन है, उनकी याद आई,
बच्चों का चेहरा सदा मुस्कुराया।

उनका मैंने जब भी शिद्दत से स्मरण किया, उन्होंने ही सार्थक जीवन मेरा बनाया।

उनका चेहरा जब भी मुझे याद आया,
जीवन में फिर में कभी नहीं घबराया।

चलने से लेकर पढ़ने तक सब कुछ उनसे पाया, धूप और बारिश से उन्होंने मुझे सदा बचाया।

यदि साथ हैं वें तो लो आशीर्वचन,
फिर मत कहना कि क्या खोया क्या पाया।

उनका अंश उनका अभिमान हो तुम,
अर्पित करो उन्हें जो तुमने उनसे सारा पाया।

सुबह शाम प्रणाम नमन करो उन्हें,
जीवन तुमने तो उन्हीं से समूचा पाया।

संसार के सभी बुजुर्ग माता-पिता को मेरा नमन है, नीली छतरी वाले से पहले उन्होंने जीवन मेरा बनाया।

संजीव ठाकुर
रायपुर

माइग्रेन पेन को दूर करने में योग है बेहद असरकार

अलका सिंह

योग विशेषज्ञ

माइग्रेन एक ऐसी बीमारी है जिसमें असहनीय सिर दर्द होता है। आमतौर पर ये दर्द सिर के आधे हिस्से में होता है, लेकिन कभी-कभी ये सिर के पूरे हिस्से में भी फैल जाता है। माइग्रेन का दर्द किसी भी वक्त उठ सकता है जिसे बर्दाश्त कर पाना बड़ा मुश्किल है। अपने सिरदर्द को कभी इग्नोर न करें और ये जानने की कोशिश करें कि आपको कब माइग्रेन का दर्द उठता है। तेज गंध, डिहाइड्रेशन, एल्कोल का सेवन या बहुत ज्यादा स्ट्रेस की वजह से माइग्रेन का दर्द हो सकता है। कई बार मौसम बदलने या दूसरे कारणों से भी माइग्रेन का दर्द आपको घेर सकता है।

माइग्रेन नाड़ीतंत्र की विकृति से उत्पन्न एक रोग है जिसमे बार बार सिर के अर्ध भाग में मध्यम से तीव्र सिरदर्द होता है। यह सिर किसी एक अर्ध भाग में होता है और दो घंटे से लेकर दो दिन की अवधि तक रहता है। माइग्रेन के आक्रमण के समय अक्सर रोगी प्रकाश और शोर के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उलटी होना, जी मिचलाना तथा शारीरिक गतिविधियों के साथ दर्द का बढ़ जाना शामिल है।

यूनाइटेड किंगडम के एक न्यास के अनुसार केवल यूनाइटेड किंगडम में लगभग 80 लाख लोग इस रोग से ग्रस्त है।

इनमे से लगभग 20 हजार लोगों को प्रति दिन माइग्रेन के दर्द का दौरा पड़ता है। यह भी माना जाता है कि माइग्रेन के रोगियों की संख्या अस्थमा, मिर्गी व मधुमेह के रोगियों की संयुक्त सख्या से अधिक है।

इस रोग का उपचार कैसे किया जाये?

अगर आप वर्षों से सिर के दो टुकड़े कर देने जैसे दर्द से ग्रस्त है या आपको हाल में ही माइग्रेन के रोग का पता चला है, तो इस दर्द से निजात पाने की दवाओं के अतिरिक्त और भी कई उपाय है। इसमें धमनियों व माँसपेशियों की शल्य चिकित्सा, ओसिपिटल नाड़ी का उद्दीपन, बोटोक्स, बीटा ब्लोकर्स तथा अवसादरोधी औषधियों के प्रयोग से माइग्रेन के दौरों को रोकने की चिकित्सा की जाती है। पर इन सभी उपचारों के कई घातक दुष्प्रभाव होते हैं। इन दुष्प्रभावों में हृदयाघात, निम्न रक्तचाप, नींद की कमी, जी मिचलाना इत्यादि प्रमुख है।

तो क्या ऐसा कोई प्राकृतिक तरीका है जिससे हम शरीर को बिना कोई क्षति पहुंचाए इस रोग से मुक्त हो सकें?

हाँ है इसका उत्तर योग है। योगासन माइग्रेन को दूर करने के लिए योग एक प्राचीन स्वास्थ्य रक्षक विधा है जो विभिन्न शारीरिक मुद्राओं व श्वसन क्रियाओं के संगम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती है। योग से शरीर पर कोई अन्य दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

यहाँ उल्लेखित योगों के दैनिक व नियमित अभ्यास से आप माइग्रेन के अगले आक्रमण से निपटने व बचने के प्रभावी उपाय कर सकते हैं।

शिशु-आसन

यह आसन मस्तिष्क को शांत करता है तथा इसके अभ्यास से व्यक्ति चिंता-मुक्त हो जाता है।

सेतुबन्धासन

यह आसन नाड़ी तन्त्र को शिथिल व शान्त करता है तथा प्रभावी रूप से पीड़ा को कम करता है।इस आसन से रक्त संचार बढ़ता है और या मन को शांत करता है।

हस्त-पादासन

सीधे खड़े होकर आगे की तरफ झुकने से हमारे नाड़ी तन्त्र में रक्त की आपूर्ति अधिक होती है जिससे वह प्रबल होता है। इससे मन भी अधिक शांत होता है।

पश्चिमोतानासन

बैठ कर दोनों पैरो को आगे की ओर फैला कर, हाथो को पैर की तरफ लेजाते हुए आगे की ओर झुकने से मस्तिष्क शांत होता है और तनाव दूर होता है. इस आसन से सिरदर्द में भी आराम मिलता है।

अधोमुखश्वानासन

नीचे की ओर चेहरा रखते हुए श्वानासन करने से रक्त संचार में वृद्धि होती है जिससे सिर दर्द से मुक्ति मिलती है।

शवासन

शवासन शरीर को गहन ध्यान के विश्राम की स्थिति में ले जाकर शरीर में शक्ति व स्फूर्ति का संचार करता है। इसे सभी योग आसनों के अभ्यास के बाद अंत में करना चाहिए।

अंतत: निष्कर्ष निकलता है कि इन साधारण योगासनों के अभ्यास से माइग्रेन के आघात का असर काफी कम हो जाता है और समय के साथ कई बार आप स्थायी रूप से रोग मुक्त हो सकते हैं।

अत: अब देर किस बात की? अपनी योग की चटाई खोलिए, प्रतिदिन कुछ समय योग करिए। योग माइग्रेन के रोग में आपकी प्रतिरोधक शक्ति को बढाता है योगाभ्यास से शरीर व मन को बहुत प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं।

नई दिल्ली
मंगलवार 30 जनवरी 2024
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

हमीरपुर में तमंचे के बल पर दबंगई

हमीरपुर। हमीरपुर में दबंग की दबंगई का आज एक वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में दबंग गाली गलौज करते हुए तमंचा लहरा रहा है, जिससे कुछ लोग जूझते दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक महिला उससे वापस जाने को कह रही है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और जब दबिश दी तो आरोपी तमंचा फेंक कर भाग गया। वायरल वीडियो की पड़ताल में पता चला कि यह ललपुरा थाना क्षेत्र के उजनेड़ी गांव का है। यहां बीती रात गांव के एक युवक ने तमंचा लहराते हुए गांव के कुछ लोगों को धमकाने की कोशिश की थी। तब दोनों पक्षों में छीना झपटी भी हुई थी तब कुछ लोगों द्वारा बीच बचाव किये जाने के बाद युवक वहां से चला गया था। लेकिन आज जब वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई और पुलिस ने आरोपी युवक को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पुलिस ने सोशल मीडिया सेल के माध्यम से बताया कि अभियुक्त मनीष उर्फ वीरू दीक्षित जो ललपुरा थाना क्षेत्र के उजनेड़ी का रहने वाला है उसके द्वारा तमंचा लहराते हुए वीडियो वायरल हुआ था। ललपुरा थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। घटनास्थल पर पुलिस पहुंची जिसको देखकर अभियुक्त तमंचा छोड़कर भाग गया। ललपुरा पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 11/ 24 धारा 3/25 आयुध अधिनियम अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया है। अभियुक्त को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

अमरोहा में कलक्ट्रेट में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

अमरोहा। अमरोहा की सदर तहसील में पनप रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही तहसील में तैनात अधिकारियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तहसील में कोई भी काम बिना रिश्वत के नहीं हो रहा है। तहसील में कई अधिकारी दस साल से भी अधिक समय से तैनात हैं। इनकी शिकायत पूर्व में की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद आज कांग्रेसियों में डीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग उठाई है। कांग्रेस पार्टी अमरोहा के नगर अध्यक्ष फैज आलम ने बताया कि सदर तहसील में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। दस साल से अधिक सालों से कई अधिकारी एक ही पद पर तैनात हैं, जो तहसील में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही आरोप लगाया कि तहसील में कोई भी काम बिना रिश्वत के नहीं हो रहा है। तहसील में पनपे भ्रष्टाचार को लेकर बीते दिनों जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी से शिकायत की गई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य करने का दावा कर रही है, लेकिन अमरोहा में हकीकत जुदा है। आज फिर से डीएम के नाम एक शिकायती पत्र सौंपकर तहसील में फैले भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग उठाई है।

हाथरस में हत्या के 3 आरोपियों को उम्र कैद

हाथरस। हाथरस में न्यायालय ने हत्या के एक मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर इन्हें अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। अभियोजन पक्ष के अनुसार उमेश कुमार निवासी सीधामई थाना हसायन ने यह तहरीर दी कि 13 अगस्त 2020 की शाम को उसके भाई राहुल पुत्र धर्मवीर सिंह को गांव का ही प्रदीप खेतों पर बुला कर ले गया। वहां पर रोहित पुत्र लायक सिंह, रिंकू पुत्र गंगा सिंह निवासीगण सीधामई थाना हसायन में शराब पी रहे थे। इसी दौरान उमेश और संजय वहां पहुंचे। तहरीर के मुताबिक इस दौरान वहां इन लोगों में कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान रोहित ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से राहुल को गोली मार दी। प्रदीप और रिंकू ने राहुल को पकड़ रखा था। इन लोगों ने उमेश पर भी जान से मारने की नीयत से फायर किया। गोली उमेश के कंधे में लगी। गोली लगने से राहुल की मौत हो गई और उमेश घायल हो गया। घटना के बाद हमलावर वहां से भाग गए। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया और मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने रोहित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया। विवेचना के उपरांत पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

नदी में उतराया मिला महिला का शव

जफराबाद। जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के बेलाव घाट स्थित गोमती नदी में एक विवाहिता का शव पाया गया है। स्थानीय लोगों ने जफराबाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को गोताखोरों के माध्यम से नदी से बाहर निकलवाया। गांव के प्रधान ने मृतक की पहचान मंजू देवी के रूप में की है, जो कि बीबीपुर गांव की रहने वाली है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर लाश अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीबीपुर के ग्राम प्रधान विजेंद्र चौहान ने मृतक युवती की पहचान मंजू देवी (26) पत्नी बृजेश कुमार के रूप में की। प्रधान ने बताया कि महिला सुबह अपने घर से काम के लिए निकली थी। ठंडी की वजह से परिवार के लोग सो रहे थे। सुबह घर पर न दिखने पर परिजन उसकी खोजबीन करने लगे। काफी तलाश के बाद उसका शव बेलाव पुल के पास मिला। मृतक के परिवार के लोगों ने बताया कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। उसकी शादी 2022 में दानगंज के पास हुई थी। थानाध्यक्ष सुरेंद्रनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली की एक महिला का शव नदी में उतराया हुआ है। महिला की पहचान बीबीपुर के गांव के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्मट के लिए भेज दिया् गया है। जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बा्द आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जंगली सुअरों के दो मांस तस्कर पकड़े

बदायूं। बदायूं में जंगली सुअरों का शिकार करते हुए दो लोग पशु प्रेमियों ने वन विभाग की टीम के साथ पकड़े हैं। जबकि एक फरार हो गया। पशु प्रेमी की तहरीर पर पुलिस ने इस मामले में दो नामजद समेत तीन के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम व वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। बरामद सुअरों को वन विभाग ने सुपुर्दगी में लेकर पुन: जंगल में छोड़ दिया। पशु प्रेमी संजीव कुमार निवासी गांव सिरसौली थाना उझानी रविवार रात अपनी टीम के साथ फैजगंज बेहटा क्षेत्र में एक चोटिल बंदर को लेने गए थे। वहां से लौटते वक्त रास्ते में आसफपुर पुलिस चौकी के पास एक पिकअप वाहन खड़ा मिला। वाहन के भीतर झांका तो उसमें 10 जंगली सुअर बंधक बने हुए पड़े थे। जबकि तीन लोग भी वाहन में आगे बैठे थे। इनमें एक व्यक्ति मौके से भाग निकला। मामले की जानकारी पर पुलिस टीम को बुलाया गया और पुलिस उन्हें थाने ले गई। यहां पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अखिलेश व विपिन बताया। आरोपियों ने फरार साथी का नाम भी पुलिस के सामने कबूला। यह भी बताया कि जंगली सुअरों को पकड़कर उनका वध करने के बाद मांस की बिक्री करते हैं।

ऑटो ड्राइवर की रेलवे ट्रेक पर लाश मिली

झांसी। झांसी में ऑटो ड्राइवर की लाश रेलवे ट्रेक पर मिलने से सनसनी फैल गई। उनकी ऑटो 500 मीटर दूर ग्वालियर रोड नए ओवरब्रिज के पास खड़ा मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हत्या, हादसा और सुसाइड के एंगल पर जांच शुरू कर दी है। मृतक का नाम नीलेश राय (45) बलवीर राय था। वह कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचवटी कॉलोनी के रहने वाले थे। भाई कमलेश ने बताया कि नीलेश ऑटो चलाया करते थे। रोजाना की तरह रविवार सुबह 10 बजे वह घर से निकले थे। तब वह हंसते और बच्चों को खिलाते हुए गए थे। शाम को ग्वालियर रोड चौकी पुलिस ने सूचना दी कि उनकी लाश ग्वालियर रोड क्रॉसिंग के पास जागेश्ववर मंदिर के पास मिली है। पुलिस ने अनुसार, रविवार शाम को एक व्यक्ति शौच क्रिया के लिए गया तो उसे रेलवे ट्रैक पर एक लाश नजर आई। इसके बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक के पास से ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ तो परिजनों को सूचना दी गई। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। नीलेश राय की 16 साल की एक बेटी श्रुत्रि है, जो 10वीं कक्षा में पढ़ रही है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। पत्नी अनीता का रो रोकर बुरा हाल है। ग्वालियर रोड चौकी इंचार्ज का कहना है कि नीलेश राय की मौत ट्रेन से कटकर हुई है। उनकी ऑटो करीब 500 मीटर दूर मिली है। मामले की जांच की जा रही है कि नीलेश ने सुसाइड किया या हादसे के शिकार हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने किया रुद्राभिषेक, देवाधिदेव से की लोकमंगल की प्रार्थना

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन के साथ पूर्ण हुआ अनुष्ठान

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह रुद्राभिषेक एवं अनुष्ठान पूर्ण कर देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ से लोकमंगल एवं जगत के कल्याण की प्रार्थना की। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रुद्राभिषेक करने से भगवान शिवशंकर अत्यंत प्रसन्न होते हैं। और ऐसा करने वालों की सभी मनोकामना पूरी करते हैं, भोलेनाथ।

मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने कर बाद रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाया गुड़-रोटी

रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गौशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। सीएम योगी की जानी पहचानी आवाज सुनते ही गोवंश दौड़ते-मचलते उनके पास आ गए। सीएम योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और अत्यंत सर्दी के इस मौसम में विशेष देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार को लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

आजमगढ़ में चापड़ से काटकर युवती की हत्या

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के जहानागंज थाना क्षेत्र के बड़हलगंज बरही में धारदार हथियार से गला काटकर युवती की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक युवती अर्चना राम (23) पुत्री बिरजू मऊ जिले के चिरैय्याकोट थाना क्षेत्र के रौजा रसूलपुर की रहने वाली है। आजमगढ़ मऊ बार्डर पर हुई यह हत्या मृतका के घर से पांच सौ मीटर की दूरी पर प्रेमी ने अंजाम दिया।

प्रेमी ने गेहूं के खेत में धारदार हथियार से काटकर युवती की दर्दनाक हत्या कर दी। इस मामले की जानकारी मिलते ही जिले के एसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल, डॉग स्क्वायड और फारेंसिक टीम सहित बड़ी संख्या में आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने घटना के खुलासे के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से पुलिस ने चाकू बरामद किया है। पुलिस आस-पास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गेहूं के खेत में हुई हत्या

आरोपी युवक आकाश ने युवती को बहाने से बुलाकर गेहूं के खेत में ले गया। जहां आरोपी युवक ने धारदार हथियार से युवती का गला और गर्दन काटकर फरार हो गया। घटनास्थल पर भारी मात्रा में खून बिखरा हुआ मिला। इसके साथ ही घटनास्थल पर पांच शराब की बोतलें भी बरामद हुई। मौके पर डाग स्क्वायड टीम सुबूत जुटाने में जुटी हुई है। आरोपी युवक हमेशा युवती को जान से मारने की धमकी देता था। लड़की को हमेशा मारता और गाली देता था। लेकिन इसके बाद भी पीछा नहीं छोड़ा और अंत में मेरी बेटी की जान ही ले लिया।

यूपी में 3 दिन बाद बारिश-ओले के आसार

कानपुर में सर्दी का 20 साल का रिकॉर्ड टूटा, लखनऊ में घना कोहरा, 39 शहरों में अलर्ट

कानपुर। यूपी में रविवार को सहारनपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 4 रिकॉर्ड किया गया। ठंड के चलते जिले में 1 से 12 तक सभी स्कूल 31 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। सोमवार सुबह लखनऊ-कानपुर में घना कोहरा छाया हुआ है। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई। वहीं, अयोध्या में भी कोहरा है। सुबह पारा 7 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने 39 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है।

कानपुर में शीतलहर ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, 2024 में 11 जनवरी के बाद से यानी 17 दिन से शीतलहर जारी है। ऐसा 20 साल पहले 2003 में हुआ था। शीतलहर से मतलब लगातार पारा 10एष्ट से कम रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विज्ञानियों ने इस बार संभावना जताई थी कि अलनीनो की वजह से ठंड ज्यादा नहीं पड़ेगी। हालांकि, इस साल सर्दी ने सारे अनुमान ध्वस्त कर दिए। प्रदेश ने साल 2003 जैसी सर्दी का सामना किया।

जनवरी में पहली बार रविवार को औसत अधिकतम तापमान 20.7 पहुंच गया। यह सामान्य से 1.6 अधिक है।

यूपी में फरवरी से बारिश की संभावना

यूपी समेत उत्तर भारत में 1 फरवरी से बारिश की संभावना है। फरवरी में पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और दिल्ली में भी बारिश होने का पूर्वानुमान है। इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ की एक श्रृंखला है, जो पश्चिम हिमालय की ओर आ रही है। इसके असर से पहाड़ों में भारी बर्फबारी और बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश धीरे-धीरे विस्तार और तीव्रता दोनों में बढ़ेगी।

उत्तर भारत में अधिक अच्छी बारिश की संभावना है। यही नहीं, 3 से 5 फरवरी के बीच यूपी में कानपुर के आसपास और लखनऊ तक बादलों के साथ हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश के कुछ जगहों में तेज बारिश और ओले भी गिर सकते हैं।

बरेली में सुबह से घना कोहरा छाया हुआ है। इससे पहले रविवार को भी कोहरा रहा। आज सुबह न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में अधिकतम तापमान 14.7 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। हवा की स्पीड 6 किलोमीटर प्रति घंटा की रहेगी, दिन में शीत लहर जैसा मौसम रहेगा। अगले 2 दिन तक बरेली और आसपास के जिलों में सर्दी ऐसी ही रहेगी। रविवार को दिन भर धूप नहीं खिली।

8 शहरों में घने कोहरे का ऑरेंज, 31 में यलो अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट है, जबकि जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, अमरोहा, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्व पार्षद की सिर कूचकर हत्या

गांव के युवक से दुश्मनी थी, बिना बताए शादी में उसके रिश्तेदार के घर चला गया था

झांसी। झांसी में पूर्व पार्षद महेश रायकवार की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। वह रात में खेत पर फसल की रखवाली करने गया था। उसके बाद से सुबह घर लौट कर नहीं आया। इसके बाद घरवालों ने खेत पर जाकर देखा, तो वहां उसकी लाश खून से लथपथ पड़ी थी। उसका कान और गला कटा हुआ था। महेश की पत्नी ने दो साल पहले सुसाइड कर लिया था। पुलिस दो एंगल पर काम कर रही है। पहला महेश के गांव में एक महिला से प्रेम संबंध थे। दूसरा गांव के एक परिवार से रंजिश

चल रही थी। पुलिस ने मृतक के छोटे भाई की तहरीर पर 4 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। घटना कटेरा थाना क्षेत्र के पुखरया खिरक गांव की है।

महेश रोज रात को खेत पर सोने जाता था

32 साल का महेश रायकवार पुखरया खिरक गांव का रहने वाला था। वह 10 साल पहले नगर पंचायत में पार्षद भी रह चुका है। उसके छोटे भाई धर्मेंद्र ने बताया, मेरे बड़े भाई महेश रोज की तरह रविवार शाम करीब 6 बजे घर से खाना खाकर खेत पर फसल की रखवाली करने गए थे। वह रात में खेत में बनी झोपड़ी में ही सोए। वहीं पर रात को उनकी हत्या कर दी गई।

बुलंदशहर में हत्या के दोषी को उम्रकैद

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने सोमवार को हत्या के दोषी को सश्रम आजीवन कारावास एवं 50000 रुपए जुर्माने की सजा सुनायी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-6 विवेक कुमार की अदालत ने सिकंदराबाद क्षेत्र के ग्राम जोली निवासी सुशील उर्फ मूंछ को सजा सुनायी। सत्येन्द्र उर्फ छोटू ने ग्राम जोली में मोटे एवं निक्की को 36 हजार रुपए उधार दिए थे। सत्येंद्र अपने पिता राजवीर के साथ प्राणगढ़ में रुपए वापस मांगने गया। इसी दौरान अभियुक्त सुशील ने सत्येंद्र की तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी थी।

'महिपाल मर्डर' में प्रेमिका का बेटा अरेस्ट

बरेली। बरेली में शनिवार रात स्कूल के रसोईया महिपाल की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्यारोपी रिंकू यादव को अरेस्ट कर लिया है। रविवार को शव मिला, तो पुलिस ने छानबीन की। इसमें स्स्क्ष्घुले सुशील चंद्रभान ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि हत्या अवैध संबंधों में की गई है। यह बात रिंकू बर्दाश्त नहीं कर सका। बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के प्राथमिक स्कूल के रसोइया महिपाल (45 साल) शाहजहांपुर का निवासी था। वह बिथरी चैनपुर क्षेत्र में अपनी रिश्तेदारी में रह रहा था। महिपाल सरकारी स्कूल में रसोईया का काम करता था। रविवार सुबह महिपाल का शव एक मकान के सामने पड़ा मिला। जिसमें महिपाल की सिर व चेहरा कुचलकर हत्या को अंजाम दिया गया था। जिसमें पुलिस ने माना कि ईंट या अन्य किसी ठोस वस्तु से प्रहार कर हत्या की गई है। इस घटना में एसएसपी ने खुलासे के लिए बिथरी चैनपुर प्रभारी संजय तोमर को लगाया था। पुलिस ने मोबाइल की कॉल डिटेल व अन्य साक्ष्य के आधार पर रिंकू यादव को अरेस्ट कर लिया है। युवक ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मेरी मां से महिपाल के प्रेम संबंध थे। पहले भी कई बाद संदेह था कि महिपाल घर पर आता जाता था। और वह गलत तरह से काम में लिप्त है। रिंकू ने आग पुलिस को बताया कि मैं कुछ कह नहीं सका।

झांसी : किसान का शव खेत में मिला लहुलुहान, फैली सनसनी

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के कटेरा थानाक्षेत्र में खेत की रखवाली कर रहे किसान का शव बुधवार सुबह मिलने से सनसनी फैल गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटेरा थानाक्षेत्र के पुखरयां गांव निवासी किसान महेश रैकवार (32) रात को खाना खाने के बाद अपने खेत की रखवाली के लिए गया था। सुबह महेश का शव पत्थर से कुचला हुआ लहुलुहान स्थिति में मिला। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य एकत्र किये।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष मृतक की पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी ,अब परिवार में एक पुत्री ही रह गयी है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (एसपीआरए) गोपीनाथ सोनी ने बताया कि कटेरा थानाक्षेत्र के पुखरयां गांव में किसान महेश का शव उसके खेत से लहुलुहान अवस्था में बरामद किया गया।

चार तस्कर गिरफ्तार, नेपाल से 83 लाख का चरस लेकर कानपुर जा रहे थे

अयोध्या। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पूराकलंदर थाना क्षेत्र के इटौरा चौराहे के पास दर्शननगर मोड़ से कार सवार चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों से पास से 16. 5 किलो चरस बरामद किया है। जिसकी कीमत 83 लाख रुपए से अधिक है।

लखनऊ एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक सत्यसेन यादव के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह की टीम ने इटौरा चौराहे के पास रविवार की रात एक कार यूपी 78 एचएल 5333 को रोककर तलाशी ली तो कार से 16. 5 किलो चरस बरामद हुआ।

एसटीएफ ने कार सवार कानपुर नगर के देहली सुजानपुर निवासी विमल राजपूत व न्यू आजाद नगर निवासी आशीष यादव तथा कानपुर देहात के थाना मंगलपुर स्थित बलरामपुर कन्चौसी नगर पंचायत निवासी जितेन्द्र सिंह व क्वीत खेडा तहसील अकबरपुर निवासी योगेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में इन्होंने बताया कि यह लोग नेपाल से चरस की खेप लेकर कानपुर जा रहे थे। बरामद कार आशीष यादव के नाम पर पंजीकृत है और खेप कानपुर निवासी मनोज तिवारी के कहने पर ले जाई जा रही थी।

4500 रूपये, 4 पैन कार्ड, दो ड्राइविंग लाइसेंस बरामद

एटीएस ने चारों आरोपियों के पास से 4500 रूपये, 4 पैन कार्ड, दो ड्राइविंग लाइसेंस, 3 मोबाइल फोन व 4 एटीएम कार्ड बरामद किया है तथा सभी के खिलाफ मादक पदार्थ के तस्करी की धारा में पूराकलंदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसटीएफ के उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश का कहना है कि बरामद चरस की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 83 लाख रुपये है।

बरेली में डबल मर्डर के आरोपी को जेल भेजा

बरेली। बरेली में डबल मर्डर के आरोपी राशिद को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने जेल भेज दिया। रविवार को पुलिस ने राशिद को इज्जतनगर फ्लाईओवर के पास से अरेस्ट किया था। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा भी बरामद किया गया। पहले यह मुकदमा महिला के पति की तरफ से संजीव के खिलाफ लिखा गया था। पूछताछ में पुलिस ने संजीव को क्लीनचिट दे दी। फर्द में पुलिस राशिद के नाम को शामिल किया है।

शुक्रवार रात नर्सरी में थी दोनों की हत्या

बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र में बड़ा बाईपास पर शुक्रवार रात लालपुर गांव के नर्सरी में डोहरा निवासी धारा गौटिया की पत्नी मीना (44 साल) व पुत्र नेत्रपाल (21 साल) की हथोड़े से हत्या कर दी थी। महिला की 20 साल की बेटी से राशिद का 6 साल से अफेयर था। राशिद एक बेटी का बाप है जो युवती से शादी करना चाहता था।

लेकिन युवती के परिवार के लोग मना करते थे। युवती ने ही अपने प्रेमी राशिद से कहकर अपने मंगतेर संजीव से रिश्ता तुड़वाया। जिससे वह राशिद से शादी कर सके। लेकिन परिवार शादी में बाधा बन रहा था। जहां राशिद ने प्रेमिका की मां और भाई को मार डाला। एफआईआर में नामजद संजीव का नाम पुलिस निकालेगी। इसके लिए पुलिस ने हत्यारोपी राशिद व महिला की बेटी के भी बयान दर्ज किए हैं। पूछताछ के दौरान युवती ने बताया, मेरा रिश्ता दिसंबर 2023 में संजीव नाम के युवक के साथ तय हुआ था। लेकिन मैंने संजीव को फोन करके अपने और राशिद के बारे में सब कुछ बता दिया था। साथ ही मैंने संजीव से कहा था कि अगर वह मुझसे जबरदस्ती शादी करेगा, तो मैं उससे बाद में तलाक ले लूंगी।

19 साल की युवती से रेप का आरोपी अरेस्ट

बरेली। बरेली में 19 साल की युवती की आबरु लूटने के आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट किया है। आरोपी प्रमोद के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ व रेप की धारा में केस दर्ज कराया था। लगातार पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। लेकिन वह घर छोड़कर फरार था। सोमवार को पुलिस ने नामजद आरोपी को अरेस्ट किया है। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा का कहना है कि कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। घटना 2 जनवरी की है। बरेली के भुता थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 19 साल की युवती घर में अकेली थी। आरोप है कि प्रमोद ने युवती के साथ छेड़छाड़ की। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करते हुए कपड़े फाड़ दिए। जहां युवक ने हत्या की धमकी देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। एसपी देहात ने बताया कि नामजद आरोपी प्रमोद कुमार निवासी ग्राम बरखेडा थाना भुता जिला बरेली को उदयपुर पुलिया के पास से अरेस्ट किया गया है। इस घटना में मारपीट में जो अन्य लोग शामिल रहे हैं उन पर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

शार्ट न्यूज

ईडी ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड से जुड़े धनशोधन मामले में की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड की ओर से कथित रूप से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत सोमवार को केरल में कई स्थानों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी त्रिशूर और मलप्पुरम में करीब चार-पांच परिसरों की तलाशी ले रही है। यह जांच 12-13 प्रतिशत तक उच्च रिटर्न का वादा करके जमा राशि एकत्र करके जनता को धोखा देने और धोखाधड़ी के कथित मामले से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड के प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने इस जमा राशि का गबन किया और इस राशि को निजी संपत्तियों में निवेश किया। ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मामला तब दर्ज किया जब एजेंसी ने गफूर केएम, शौकत अली, एंथनी एस और जशीना (वर्तमान में जेल में बंद) सहित प्रवर्तकों और निदेशकों के खिलाफ केरल पुलिस और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की 150 प्राथमिकियों का संज्ञान लिया। सूत्रों ने बताया कि करीब 20 करोड़ रुपये के सरकारी कोष से कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई और ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि धोखाधड़ी कितनी बड़ी है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी मैच्योरिटी के आठ महीने पहले छुड़ाएगी 750 मिलियन डॉलर के होल्डको बॉन्ड्स

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को 750 मिलियन डॉलर के 4.375 नोट्स या होल्डको नोट्स को पूरी तरह से रिडीम कराने की योजनाओं का ऐलान किया है। कंपनी इन नोट्स को 9 सितंबर, 2024 की मैच्योरिटी अवधि से 8 महीने पहले ही छुड़ाएगी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रोमोटर्स को 9,350 करोड़ रुपये के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट से फंड मिला है। जिसकी वजह से कंपनी इन नोट्स को छुड़ा पाने में सक्षम हुई है। एजीईएल के शेयरधारकों ने 18 जनवरी 2024 को भारी 99.9 प्रतिशत बहुमत के साथ तरजीही आवंटन को मंजूरी दे दी और उसके बाद प्रमोटरों ने पिछले सप्ताह एजीईएल में 2,338 करोड़ रुपये (281 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का प्राथमिक निवेश किया। एजीईएल ने सीनियर डेट रिडेम्पशन अकाउंट (एसडीआरए) और होल्डको नोट्स के अन्य आरक्षित खातों में धनराशि अलग रख दी है, जिसके बाद रिजर्व की फंडिंग पूरी हो गई है। कंपनी की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि होल्डको नोट्स की बकाया राशि मैच्योरिटी से आठ महीने पहले होल्डको नोट्स को सुरक्षित करने वाले कई रिजर्व अकाउंट्स के हिस्से के रूप में अलग रखे गए कैश बैलेंस के माध्यम पूरी तरह से सिक्योर किए जाएंगे।

टेलीकॉम कंपनी का घाटा 6,986 करोड़ रुपये रहा

आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रही दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 6,986 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को इस तिमाही नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 7,990 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वोडाफोन आइडिया का परिचालन राजस्व 10,673.1 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले की समान अवधि के 10,620.6 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग स्थिर है। कंपनी ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका ARPU (प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व) 145 रुपये रहा जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में यह 135 रुपये था। इस तरह सालाना आधार पर इसमें 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अक्षय मूंदड़ा ने कहा, ''हमें पिछली 11 तिमाहियों में 21.4 अरब रुपये की उच्चतम एबिटा (कर एवं ब्याज अदायगी से पहले की आय) दर्ज करते हुए खुशी हो रही है। उभरते उद्योग परिदृश्य और ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप हमने अपनी पेशकशों में सुधार किया है और साथ ही अपने उत्पादों पर भी ध्यान केंद्रित किया है।'' उन्होंने कहा कि इन प्रयासों की वजह से वोडाफोन आइडिया पिछली 10 तिमाहियों से लगातार अपने 4 जी ग्राहकों और ARPU को बढ़ाने में सफल रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 5 जी सेवाओं की पेशकश के लिए जरूरी निवेश जुटाने को कंपनी विभिन्न पक्षों के संपर्क में बनी हुई है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में रिकॉर्ड तोड़ तेजी, मार्केट कैप 19 लाख करोड़ के पार पंहुचा

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई जिससे देश की सबसे बड़ी कंपनियों में एक का मार्केट कैप 19 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर 4.19 प्रतिशत का जोरदार उछाल लेकर 2,824 रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई पर कंपनी का शेयर 4.35 फीसदी की बंपर तेजी के साथ 2,824 रुपये के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। निफ्टी-50 इंडेक्स पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर शीर्ष टॉप परफॉर्मर बना हुआ है। निफ्टी-50 में देखी जा रही वृद्धि में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने लगभग 89 अंकों का योगदान दिया। निफ्टी-50 इंडेक्स 303.70 अंक या 1.42 प्रतिशत बढ़कर 21,656.30 रुपये पर कारोबार कर रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज 19 लाख करोड़ रुपये के मार्किट कैप को पार करने के साथ भारतीय शेयर बाजार में सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कंपनी बन गई है। पिछले एक महीने में रिलायंस के शेयरों में लगभग 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि तीन महीनों में RIL के शेयर में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। रिलायंस के शेयरों पर तीन साल का रिटर्न 53 फीसदी से ज्यादा है। तेल से दूरसंचार तक के कारोबारों से जुड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 9.3 फीसदी बढ़ गया। कंपनी के ऊर्जा कारोबार में जो नरमी आई, उसकी भरपाई रिटेल और दूरसंचार कारोबार की तेज रफ्तार वृद्धि ने कर दी। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में RIL का शुद्ध मुनाफा पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले 9.3 फीसदी बढ़कर 17,265 करोड़ रुपये रहा।

वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि सात फीसदी रहने का अनुमान : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किये गये सुधारों और उपायों से उत्पन्न मजबूत आर्थिक गतिविधियों की बदौलत, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत के करीब बढ़ने की उम्मीद है। अगले वित्त वर्ष का केंद्रीय बजट प्रस्तुत किये जाने से कुछ दिन पहले वित्त मंत्रालय की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है।

रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष में वृद्धि सात या सात प्रतिशत से अधिक रहेगी। वित्त मंत्रालय की इस रिपोर्ट में सुधारों को गांव स्तर पर ले जाकर उस स्तर तक शासन को नागरिक-अनुकूल और व्यवसाय-अनुकूल बनाने पर बल दिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं। यह रिपोर्ट आर्थिक मामलों के विभाग ने तैयार की है लेकिन इसे परंपरागत आर्थिक समीक्षा नहीं कहा गया है।

'द इंडियन इकोनॉमी: ए रिव्यू' (भारतीय अर्थव्यवस्था-एक समीक्षा) शीर्षक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले तीन वर्षों में भारत के पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, सरकार ने भारत के समक्ष 2047 तक %विकसित देश% बनने का एक बड़ा लक्ष्य रखा है। सुधारों की यात्रा जारी रहने के साथ, यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सोमवार को जारी की गयी रिपोर्ट भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति और पिछले 10 वर्षों में इसकी यात्रा का जायजा लेती है और आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करती है।

रिपोर्ट के प्रारंभ में बताया गया है, यह (समीक्षा रिपोर्ट) आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा तैयार किया गया है पर यह भारत का आर्थिक सर्वेक्षण नहीं है।

आर्थिक सर्वेक्षण आम चुनाव के बाद पूर्ण बजट से पहले आयेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अब इसकी पूरी संभावना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिये भारत की आर्थिक वृद्धि दर सात प्रतिशत या इससे ऊंची रहेगी। इसमें कहा गया है, अब इस बात की बहुत संभावना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2014 के लिए सात प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर हासिल करेगी, और कुछ अनुमान यह भी है कि है कि यह वित्त वर्ष 2024-25 में भी अर्थव्यस्था सात प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हासिल करेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि वित्त वर्ष 2024-25 के लिये पूर्वानुमान सही साबित होता है ठीक है, यह महामारी के बाद चौथा वर्ष होगा जब भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत या उससे अधिक की दर से बढ़ेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकारों की पूर्ण भागीदारी से चल रहे सुधार अधिक उद्देश्यपूर्ण और फलदायी होंगे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सुधारों में राज्यों की भागीदारी तब पूर्ण होगी जब इन सुधारों में जिला, ब्लॉक और गांव स्तर पर शासन में बदलाव भी शामिल होंगे, जिससे उन्हें (जमीनी स्तर के शासन को) नागरिकों-अनुकूल और छोटे व्यवसाय-अनुकूल बनाया जायेगा और राज्यों में स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि और श्रम जैसे क्षेत्रों में बदलाव किया जायेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सुधारों को आगे बढ़ाने के इस काम में राज्यों एक बड़ी भूमिका निभानी है।

रिलायंस के चढ़ने से शेयर बाजार में तूफानी तेजी

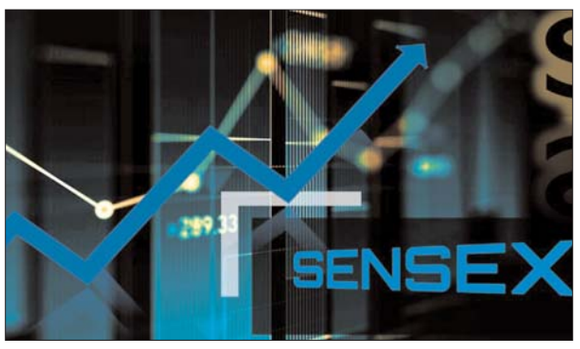

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने की उम्मीद, बांड यील्ड में गिरावट और चीन के बाज़ार को समर्थन देने के लिए उपाय शुरू करने के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस समेत 25 दिग्गज कंपनियों के करीब सात प्रतिशत तक चढ़ने से आज शेयर बाजार ने ऊंची छलांग लगाई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1240.90 अर्थात् 1.76 प्रतिशत की उड़ान भरकर 71 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 71,941.57 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 385 अंक यानी 1.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर 21,737.60 अंक हो गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.68 प्रतिशत उछलकर 38,380.66 अंक और स्मॉलकैप 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,819.28 अंक पर पहुंच गया।

बीएसई कुल 4064 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2262 में लिवाली जबकि 1659 में बिकवाली हुई वहीं 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 40 कंपनियों में तेजी जबकि 10 में गिरावट रही। बीएसई में एफएमसीजी, टेक और आईटी समूह की 0.11 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 17 समूहों में तेजी का रुख़ रहा। इससे ऊर्जा 5.29, तेल एवं गैस 4.94, यूटिलिटीज 3.59, पावर 3.03, सर्विसेज 2.82, इंडस्ट्रियल्स 2.17, कैपिटल गुड्स 2.13, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.93, धातु 1.73 और कमोडिटीज समूह के शेयर 1.50 प्रतिशत चढ़ गए।

विश्व बाजार का रुख मिलाजुला रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.13, जापान का निक्केई 0.77 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.78 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं जर्मनी का डैक्स 0.49 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.92 प्रतिशत लुढ़क गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 267 अंक की तेजी के साथ 70,968.10 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 70,880.54 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 72,010.22 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 70,700.67 अंक के मुकाबले 1.76 प्रतिशत की छलांग लगाकर 71,941.57 अंक हो गया।

इसी तरह निफ्टी 81 अंक बढ़कर 21,433.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,429.60 अंक के निचले जबकि 21,763.25 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 21,352.60 अंक की तुलना में 1.80 प्रतिशत उछलकर 21,737.60 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर रही 25 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने सबसे अधिक 6.86 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही टाटा मोटर्स 3.62, पावरग्रिड 3.40, एलटी 3.25, कोटक बैंक 3.18, एनटीपीसी 3.11, अल्ट्रासिमको 2.92, टाइटन 2.33, सन फार्मा 1.77, एक्सिस बैंक 1.76, एसबीआई 1.63, एचसीएल टेक 1.54, बजाज फाइनेंस 1.44, एचडीएफसी बैंक 1.42, मारुति 1.10, टाटा स्टील 1.01, इंडसइंड बैंक 0.94, एशियन पेंट 0.91, आईसीआईसीआई बैंक 0.74, नेस्ले इंडिया 0.68, विप्रो 0.64, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.59, बजाज फिनसर्व 0.42, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.22 और भारती एयरटेल के शेयर भी 0.19 प्रतिशत के लाभ में रहे। वहीं, आईटीसी 1.20, इंफ़ोसिस 0.89, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.59, टेक महिंद्रा 0.53 और टीसीएस के शेयर 0.18 प्रतिशत टूट गए।

कर्ज के बोझ से दबी चीन की रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को बंद करने का मिला आदेश

नई दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग की एक अदालत ने कर्ज के बोझ से दबी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को समाप्त या बंद करने का आदेश दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने सोमवार को इस बारे में बताया है। अदालत का यह फैसला चीन के रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक झटके की तरह है। एवरग्रैंड के पास नकदी दो साल पहले खत्म हो गई थी। साल 2021 में कंपनी डिफॉल्ट कर गई थी। यह आदेश वकीलों के बीच एवरग्रैंड से संबंधित बची संपत्तियों में कुछ भी खोजने और उन्हें हथियाने के लिए एक दौड़ शुरू करेगा जिसे बेचा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार 2021 में कंपनी के डिफॉल्ट होने के बाद, दुनिया भर के निवेशकों ने प्रॉपर्टी डेवलपर एवरग्रैंड के रियायती आईओयू को स्कूप किया, उन्हें यह उम्मीद थी कि चीनी सरकार अंतत: बेलआउट देने के लिए कदम उठाएगी। एवरग्रैंड एक रियल एस्टेट डेवलपर है जिस पर 300 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक का कर्ज है, यह दुनिया का सबसे बड़ा आवास संकट झेल रहा है। इसके बहुत मूल्यवान विशाल साम्राज्य में अब कुछ नहीं बचा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आरोप है कि एवरग्रैंड, साथ ही अन्य डेवलपर्स, ओवरबिल्ट और ओवरप्रोमाइड, उन अपार्टमेंटों के लिए पैसे ले रहे थे जो बनाए नहीं गए थे और इससे सैकड़ों-हजारों घर खरीदार को अपने अपार्टमेंट का इंतजार ही करते रह गए। अब जब इनमें से दर्जनों कंपनियां डिफॉल्ट कर गई हैं, तो सरकार सख्ती से उन्हें अपार्टमेंट का काम खत्म करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रही है, जिससे हर कोई मुश्किल स्थिति में पड़ गया है क्योंकि ठेकेदारों और बिल्डरों को वर्षों से भुगतान नहीं किया गया है। इस आदेश से वित्तीय बाजारों को सदमा लगने की आशंका है जो पहले से ही चीन की अर्थव्यवस्था पर संदेह कर रहे हैं।

अमेरिकी राजनयिकों ने पहले से कहीं अधिक वीजा आवेदनों को प्रोसेस किया

नई दिल्ली। भारत स्थित अमेरिकी राजनयिकों की टीम ने 2023 में पहले से कहीं अधिक वीजा आवेदनों को प्रोसेस किया। इससे विज़िटर वीजा अपॉइंटमेंट के लिए प्रतीक्षा समय 75 प्रतिशत तक कम हो गया है। 2023 में, भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने रिकॉर्ड-तोड़ 1.4 मिलियन अमेरिकी वीजा प्रोसेस किए। 2022 की तुलना में आवेदनों में 60 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस दौरान सभी वीजा वर्गों में मांग अभूतपूर्व थी। भारतीय अब दुनिया भर में हर दस अमेरिकी वीजा आवेदकों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में अमेरिकी दूतावास की ओर से यह जानकारी साझा की गई है।

हाईस्पीड रेल कॉरिडोर पर लगेंगे 28 सिस्मोमीटर

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को बताया है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए 28 सिस्मोमीटर लगाए जाएंगे। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यात्रियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जापानी शिंकानसेन तकनीक पर आधारित एक अर्ली अर्थक्वेक डिटेक्शन सिस्टम स्थापित किया जाएगा। रणनीतिक रूप से लगाए गए सिस्मोमीटर, प्राथमिक तरंगों के माध्यम से भूकंप से प्रेरित झटकों का पता लगाएंगे। भूकंप के अंदेशा का पता चलने पर, एक स्वचालित बिजली शटडाउन शुरू किया जाएगा, जिससे प्रभावित क्षेत्र में चलने वाली ट्रेनों पर आपातकालीन ब्रेक लग जाएंगे ताकि ट्रेनों की एक तेज और सुरक्षित ठहराव सुनिश्चित की जा सके।

सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा सोना 62,000 तो चांदी हुई 72,000 के पार

नई दिल्ली। (पी एम ए) भारतीय सर्राफा बाजार में एक बार फिर से चमक लौट आई है. सोमवार को सर्राफा बाजार 200 रुपये की बढ़त के साथ ओपन हुआ. इस दौरान दोनों धातुओं की कीमतों में इजाफा दर्ज किया गया. फिलहाल सोने की कीमतों में 170 रुपये की बढ़त बनी हुई है और 22 कैरेट वाला सोने 57,237 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है. जबकि 24 कैरेट वाले गोल्ड का भाव 62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा है. वहीं चांदी की कीमत 170 रुपये चढ़कर 72,170 रुपये प्रति किग्रा पर व्यापार कर रही हैं. देश के अन्य शहरों में भी सोने की कीमतों में आज उछाल बना हुआ है।

एमसीएक्स और विदेशी बाजार में सोने-चांदी का भाव

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.27 फीसदी यानी 166 रुपये की बढ़त के साथ 62,130 रुपये प्रति दस ग्राम चल रही है. जबकि चांदी का भाव यहां 0.30 प्रतिशत यानी 213 रुपये के इजाफे के साथ 71,986 रुपये पर ट्रेंड कर रहा है.

वहीं विदेश बाजार यूएस कॉमेक्स पर सोना 0.35 फीसदी यानी 7.10 डॉलर चढ़कर 2,024.40 डॉलर प्रति औंस पर बिक रहा है. जबकि चांदी 0.60 प्रतिशत यानी 0.14 डॉलर चढ़कर 23.01 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

देश के प्रमुख चार शहरों में सोने-चांदी की कीमत

राजधानी दिल्ली में सोने की कीमतें 150 रुपये चढ़कर 22 कैरेट वाला सोना 57,017 और 24 कैरेट शुद्धता वाले सोना का भाव 62,200 रुपये चल रहा है. जबकि चांदी की कीमत 62,200 रुपये प्रति किग्रा पर कारोबार कर रहा है. जबकि मुंबई में 22 कैरेट वाले गोल्ड का भाव 57,118 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है. जबकि 24 कैरेट वाला गोल्ड 62,310 रुपये प्रति दस ग्राम में बिक रहा है. मुंबई में चांदी 230 रुपये चढ़कर 72,090 रुपये प्रति किग्रा पर कारोबार कर रही हैं।

कोलकाता में सोना (22 कैरेट) 57,044 तो 24 कैरेट वाला गोल्ड 62,230 रुपये प्रति दस ग्राम में बिक रहा है. वहीं चांदी की कीमत यहां 71,990 रुपये प्रति किग्रा चल रही हैं. चेन्नई में 22 कैरेट वाले गोल्ड की कीमत 57,292 तो 24 कैरेट वाला सोना 62,500 रुपये प्रति दस ग्राम में कारोबार कर रहा है. जबकि चांदी की कीमत यहां 72,340 रुपये प्रति किग्रा पर व्यापार कर रही हैं।

महिला कर्मचारियों को पारिवारिक पेंशन के लिए बेटे, बेटी को नामांकित करने की अनुमति

नई दिल्ली। केंद्र ने महिला कर्मचारियों को अपने पति के बजाय पारिवारिक पेंशन के लिए अपने बेटे या बेटी को नामित करने की अनुमति दी है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पहले मृत सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी के पति या पत्नी को ही पारिवारिक पेंशन दी जाती थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य पति या पत्नी की अयोग्यता या मृत्यु के बाद ही पेंशन के पात्र होते थे।

केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में किया गया संशोधन

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में एक संशोधन पेश किया है। इसके अनुसार महिला सरकारी कर्मचारियों या पेंशनभोगियों को अपने पति या पत्नी के स्थान पर अपने स्वयं के निधन के बाद अपने पात्र बच्चे/बच्चों को पारिवारिक पेंशन

देने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि संशोधन उन स्थितियों को संबोधित करेगा जहां वैवाहिक कलह के बाद घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम या भारतीय दंड संहिता जैसे कानूनों के तहत तलाक की कार्यवाही चल रही है।

उन्होंने कहा कि दूरगामी सामाजिक-आर्थिक प्रभाव वाले एक पथ-प्रदर्शक निर्णय में और महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने लंबे समय से स्थापित नियम में संशोधन किया है, जिससे महिला कर्मचारी को अपने पति के बजाय पारिवारिक पेंशन के लिए अपने बेटे या बेटी को नामित करने का अधिकार दिया गया है, जैसा कि अब तक प्रथा रही है।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। सिंह ने कहा कि यह संशोधन प्रधानमंत्री मोदी की हर क्षेत्र में महिला पदाधिकारियों को उचित और वैध अधिकार देने की नीति के अनुरूप है।

लिखित अनुरोध देने के बाद महिला कर्मचारियों को मिलेगी सुविधा

कार्मिक एवं कार्य विभाग ने कहा है कि महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी को संबंधित कार्यालय प्रमुख को लिखित अनुरोध करना होगा जिसमें यह जानकारी होगी कि कार्यवाही के दौरान उसकी मृत्यु होने की स्थिति में उसके पात्र बच्चे/बच्चों को पारिवारिक पेंशन दी जानी चाहिए।

बयान में कहा गया है, अगर कार्यवाही के दौरान महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु हो जाती है, तो उसी के अनुसार पारिवारिक पेंशन का वितरण किया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि यदि किसी महिला कर्मचारी के परिवार में कोई ऐसा विधुर है और उसका कोई पात्र बच्चा नहीं है तो विधुर को पारिवारिक पेंशन देय होगी।

हालांकि, यदि विधुर नाबालिग बच्चे या मानसिक विकार से पीड़ित बच्चे का अभिभावक है, तो पारिवारिक पेंशन विधुर को देय होगी, जब तक कि वह अभिभावक बना रहता है, बयान में कहा गया है कि एक बार जब बच्चा वयस्क हो जाता है और पारिवारिक पेंशन के लिए पात्र हो जाता है, तो यह सीधे बच्चे को देय होगा।

ऐसे मामलों में जहां मृतक महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी के परिवार में विधुर है और बच्चे जो बालिग हो चुके हैं, और पारिवारिक पेंशन के लिए पात्र हैं, ऐसे बच्चों को पारिवारिक पेंशन देय होगी।

सिंह ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से शासन में कई सुधार किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने केंद्र सरकार की नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और उन्हें पेशेवर के साथ-साथ पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

नई आयकर प्रणाली के तहत करदाताओं को वित्त मंत्री से और अधिक राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2023-24 के दौरान नई आयकर व्यवस्था के तहत करदाताओं को कई लाभ दिए गए। 1 फरवरी 2024 के दौरान पेश होने वाले अंतरिम बजट में वित्त मंत्री की ओर से नई कर प्रणाली के तहत टैक्सपेयर्स को मिलने वाले राहत में और इजाफा किया जा सकता है।

सरकार की ओर से नई कर प्रणाली को दिया जा रहा बढ़ावा

नई आयकर व्यवस्था को सबसे पहले केंद्रीय बजट 2020-21 में पेश किया गया। नई कर प्रणाली 1 अप्रैल, 2023 से डिफॉल्ट विकल्प बन गई। हालांकि करदाताओं के लिए पुरानी कर व्यवस्था का विकल्प भी फिलहाल जारी है पर सरकार नई कर प्रणाली को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। पिछले साल बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे जुड़े कई जरूरी और सकारात्मक बदलाव किए थे। उस दौरान उन्होंने उच्च आय वाले व्यक्तियों के लिए अधिभार को कम करने का भी एलान किया था। उन्होंने स्टैंडर्ड डिडक्शन के तहत भी 50,000 रुपये की मानक कटौती की अनुमति दी थी। सरकार इस साल पेश होने वाले अंतरिम बजट के दौरान नई आयकर व्यवस्था को और बढ़ावा दे सकती है।

नई व्यवस्था के तहत मानक कटौती सीमा और एचआरए छूट बढ़ने की उम्मीद

सरकार आम चुनाव से पहले अपना अंतरिम बजट पेश करने के लिए तैयार है, इस बजट में वेतनभोगी सरकार से और अधिक सकारात्मक बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। टैक्स2विन के सीईओ और सह-संस्थापक अभिषेक सोनी के अनुसार पुरानी और नई दोनों कर व्यवस्थाओं के लिए मूल छूट सीमा में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, करदाता नई आयकर व्यवस्था के तहत मानक कटौती सीमा, एचआरए छूट और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए कटौती में इजाफे की उम्मीद कर रहे हैं।

टाटा पेंशन मैनेजमेंट के सीईओ कुरियन जोस ने दोनों कर व्यवस्थाओं के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) की सीमा बढ़ाकर 1,00,000 रुपये करने की सिफारिश की है। यह कदम आयकरदाताओं को नई कर प्रणाली के बारे में विचार करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

हाउसिंग लोन वाले वेतनभोगी करदाताआ होम लोन के ब्याज कटौती से जुड़े संभावित नुकसान के कारण नई कर व्यवस्था में शिफ्ट होने के प्रति परहेज करते हैं। अभिषेक सोनी का सुझाव है कि नई कर व्यवस्था में आवास ऋण पर ब्याज के लिए कटौती को बढ़ाने से यह अधिक आकर्षक हो सकता है।

शार्ट न्यूज

राहुल और जडेजा दूसरे टेस्ट से हुए बाहर

हैदराबाद। रवींद्र जडेजा और केएल राहुल चोट के कारण इंग्लैंड के साथ दो फरवरी को विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरी टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। जडेजा को पहले टेस्ट के चौथे दिन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव हुआ था, वहीं राहुल के दाहिने जांघ में दर्द की शिकायत की है। चयनकर्ताओं ने जडेजा और राहुल के स्थान पर सौरभ कुमार, सरफराज खान और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में जगह दी है। भारतीय टीम पहले ही पहला टेस्ट हारकर सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही है। जाडेजा, राहुल और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना यह टीम और भी कमज़ोर दिखेगी। कोहली ने पहले ही व्यक्तिगत कारणों से पहले दो टेस्ट से स्वयं को को अनुपलब्ध कर लिया था। राहुल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार टेस्ट में पर्दापण कर सकते हैं। उन्हें विराट कोहली की जगह पर टीम में शामिल किया गया था। वहीं जाडेजा की जगह कुलदीप यादव टीम में आ सकते हैं। जडेजा की ऑलराउंड क्षमताओं के कारण सुंदर भी जगह मिल सकती है। सुंदर ने चार टेस्ट मैचों में तीन अर्धशतकों के साथ 66 की औसत से रन बनाए हैं, और उनके नाम 50 की औसत से सिर्फ छह विकेट हैं। वहीं कुलदीप के नाम आठ टेस्ट में 21.55 की औसत से 34 विकेट हैं। उन्हें चटगांव में अपने आखिरी टेस्ट में आठ विकेट लेने पर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि जडेजा भारत की पहली पारी में 87 रन बनाये थे वहीं दूसरी पारी के दौरान रनआउट हुए थे। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में दो विकेट लिए थे।

आईसीसी ने पोप से कंधा टकराने के आरोप में बुमराह को एक डिमेरिट अंक

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के बल्लेबाज ऑली पोप को जान बूझकर कंधा टकराने के आरोप में एक डिमेरिट अंक दिया हैं। आईसीसी ने इसे आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन माना है और इसके लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आधिकारिक फटकार लगाते हुए उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया है और उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया है। आईसीसी की खिलाड़ी आचार संहिता की धारा 2.12 के अनुसार किसी भी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या फिर किसी दर्शक से भी अनुचित रोप्प से शारीरिक संपर्क करना दंडनीय अपराध है। यह पिछले 24 महीने में बुमराह की पहली गलती है और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। इसलिए इसकी कोई सुनवाई नहीं होगी। मैच रेफ़री रिची रिचर्डसन ने उन्हें एक डिमेरिट अंक की सजा सुनाई है। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान 81वें ओवर में यह घटना उस समय हुई जब पोप ऑफ साइड में खेले गए एक शॉट पर रन लेना चाहते थे। पोप ने आरोप लगाया गया कि बुमराह जान बूझकर रास्ते में खड़े हो गए, जिसके कारण यह टक्कर हुई। पोप ने तुरंत ही इस घटना की शिकायत मैदानी अंपायर से की थी।

सैफ अंडर-19 महिला चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच सुक्ला दत्ता ने सोमवार को बंगलादेश के ढाका में दो से आठ फरवरी तक होने वाली सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप 2024 के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। भारतीय टीम मंगलवार को बंगलादेश रवाना होगी। सभी मुकाबले ढाका के मुस्तफा कमाल स्टेडियम में खेले जायेंगे। वर्ष 2021 की उपविजेता रही भारतीय अंडर-19 टीम दो फरवरी को भूटान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चार फरवरी को गत चैंपियन बंगलादेश और छह फरवरी को नेपाल से भिड़ेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों ने कहा कि मैचों को स्पोर्टज़्वर्क्ज़ यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण किया जायेगा।

23 सदस्यीय टीम इस प्रकार : गोलकीपर: खुशी कुमारी, अनिका देवी शारुबम, हेमप्रिया सेराम

डिफेंडर: हीना खातून, विक्षित बारा, सोनिबिया देवी इरोम, जूही सिंह, निशिमा कुमारी

मिडफील्डर: शिवानी टोप्पो, ललिता बोयपाई, अखिला राजन, रिवका रामजी, अरीना देवी नामीराकपम, सिंडी रेम्रुअटपुई कोल्नी, मेनका देवी लौरेम्बम, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, थोइबिसाना चानू तोइजाम

फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, नितु लिंडा, सुलंजना राउल, नेहा, पूजा, साहेना टीएच

भारत जमैका को रौंदकर एफआईएच हॉकी5एस पुरुष विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में

मस्कट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को एफआईएच हॉकी5एस पुरुष विश्वकप 2024 के अपने तीसरे और अंतिम पूल बी मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जमैका को 13-0 से रौंदकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत ने शुरू से ही आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए मैच के दूसरे ही मिनट में दो गोल दाग दिये। ये दोनों गोल मनिंदर सिंह ने किए। उसके बाद उत्तम सिंह और मंजीत ने भी एक-एक गोल दाग दिये। जिससे खेल के पहले छह मिनट के भीतर भारत ने 4-0 का स्कोरकर मैच पर मजबूत बढ़त बना ली। बढ़त के बावजूद भारत ने लगातार हमलावर रूख का अख्तियार करते हुए जमैका की रक्षा पर लगातार दबाव बनाए रखा। इसका फायदा उठाते हुए पवन राजभर ने नौवें मिनट और गुरजोत सिंह ने 14वें मिनट में गोलकर हाफटाइम ब्रेक तक स्कोर 6-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने आक्रामक रणनीति बनाए रखी। इस दौरान मोहम्मद राहील ने 16वें, 27वें मिनट में, मनदीप मोर ने 23वें, 27वें मिनट में, मंजीत ने 24वें मिनट में और मनिंदर सिंह ने 28वें, 29वें मिनट में गोलकर स्कोर 13-0 कर मुकाबला जीत लिया। इसीके साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि भारत ने रविवार को अपने शुरुआती दो पूल बी मैचों में मिस्र से हारने से पहले स्विट्जरलैंड को हराया था। क्वार्टरफाइनल 30 जनवरी को खेला जायेगा।

'इजरायली सेना ने 48 घंटों के दौरान 350 फिलिस्तीनियों को मार डाला'

गाजा। गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकार ने कहा है कि इजरायली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में पिछले 48 घंटों में कम से कम 350 फिलिस्तीनियों को मार डाला है। रविवार को जारी किए गए बयान में कहा गया कि चिकित्सा दलें सड़कों पर बिखरे हुए कई शवों तक पहुंचने में असमर्थ थीं। बयान में कहा गया कि स्थानीय निवासियों को मृतकों को शहर के नासिर अस्पताल के प्रांगण में दफनाना पड़ा, क्योंकि वे उन्हें खान यूनिस कब्रिस्तान में नहीं ले जा सकते थे। इस बीच, हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इजरायली सेना द्वारा नाकाबंदी के कारण नासिर अस्पताल चिकित्सा कचरे से भर गया है। मंत्रालय ने कहा कि एन्क्लेव में कम से कम 7,000 घायल और बीमार लोगों को जीवन रक्षक उपचार की तत्काल आवश्यकता है।

महान टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए गिल को रक्षात्मक खेल बेहतर करना होगा : मांजरेकर

एजेंसी

हैदराबाद । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि शुभमन गिल को महान टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए अपनी बल्लेबाजी के रक्षात्मक स्तर के खेल को बेहतर करना होगा।

मांजरेकर ने यह टिप्पणी रविवार को पहला टेस्ट की समाप्ति के बाद की। उन्होंने कहा, मैंने सीरीज़ की शुरुआत में भी कहा था कि शुभमन गिल को टेस्ट में अपना रिकॉर्ड बेहतर करने और एक महान टेस्ट खिलाड़ी बनने के लिए क्या करना होगा। सबसे पहले तो उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर काम करने की आवश्यकता है। हमने दक्षिण अफ्रीका और विश्वकप फाइनल में भी देखा कि वह रक्षात्मक शॉट खेलते हुए आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में रक्षात्मक खेल के बिना काम नहीं चलता, इस प्रारूप में आपका रक्षात्मक होना आवश्यक है। टेस्ट क्रिकेट में आप बार बार काउंटर अटैक नहीं कर सकते। तो कहीं ना कहीं उन्हें अभी इस पहलू पर काफ़ी काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजी के खिलाफ गिल का डिफेंस अच्छा है लेकिन स्पिन खेलने के लिए टीम मैनेजमेंट और सपोर्ट स्टाफ को गिल की मदद करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, यह गिल की ज़िम्मेदारी नहीं है। जो सपोर्ट स्टाफ हैं, बल्लेबाजी कोच हैं, मुख्य कोच हैं, उन्हें गिल को ऐसा अभ्यास कराना चाहिए कि स्पिन के खिलाफ उनका रक्षात्मक खेल बेहतर हो सके। पेस और बाउंस के खिलाफ उनका रक्षात्मक खेल काफी ठीक है लेकिन स्पिन के खिलाफ उन्हें थोड़ा बैकफुट को भी प्ले में लाना होगा और फ्रंटफुट पर आकर हल्के हाथों से भी खेलने का प्रयास करना होगा, एक दो रन निकालने के बारे में सोचना होगा। जिस तरह से ऑली पोप ने अपनी पारी की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि गिल ने अपने अब तक के टेस्ट करियर में कुल 39 पारियों में दो शतक के साथ 29.52 की औसत से 1063 रन बनाए हैं। पिछले वर्ष वेस्टइंडीज़ के टेस्ट दौरे के बाद से ही गिल नियमित तौर पर नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने नंबर तीन पर अब तक कुल 10 पारियां में 21 की औसत से 189 रन बनाए हैं। इस दौरान 47 रन उनका उच्चतम स्कोर रहा है।

चेन्नई करेगा रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग का तीसरा संस्करण 15 फरवरी से चेन्नई में खेला जायेगा जिसमें ट्राफी के लिये नौ टीमें एक दूसरे का मुकाबला करेंगी।

अहमदाबाद डिफेंडर्स, बेंगलुरु टॉरपीडो, कालीकट हीरोज, चेन्नई ब्लिट्ज, दिल्ली तूफ़ान्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और मुंबई मेटियर्स के बीच कड़ी जंग होने के आसार हैं जबकि फाइनल मुक़ाबला एसडीएटी मल्टी-पर्पज इंडोर स्टेडियम में 21 मार्च को खेला जाएगा।

मौजूदा चैंपियन अहमदाबाद डिफेंडर्स 15 फरवरी को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में मेजबान चेन्नई ब्लिट्ज से भिड़ेंगे, जबकि पिछले साल की उपविजेता बेंगलुरु टॉरपीडोज़ उसी दिन सीज़न एक के विजेता कोलकाता थंडरबोल्ट्स से भिड़ेंगी।

रोमांचक चरण 11 से 18 मार्च के बीच होगा, जिसमें लीग चरण की शीर्ष पांच टीमें अंतिम तीन टीमों का निर्धारण करने के लिए राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सुपर फाइव में पहले स्थान पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 19 मार्च को एलिमिनेटर में दो-दो हाथ करेगी। एलिमिनेटर की विजेता फाइनल में जगह पक्की करने वाली दूसरी टीम होगी।

यूपी ग्रेस केडी सिंह बाबू हॉकी के क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ। मेजबान यूपी ग्रेस ने 34वीं आल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर बालक (अंडर-14) प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में सोमवार को लगातार तीसरी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

दूसरी ओर यूपी करम, राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी और नवल टाटा ओडिशा भी दो-दो जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी। इन तीनों टीमों को अभी एक-एक मैच और खेलने है।

केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक टर्फ स्टेडियम पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में सोमवार को यूपी ग्रेस ने भास्करन हॉकी अकादमी तमिलनाडु को 11-0 से हराया। वहीं पिछली उपविजेता राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने सन्नी जोशी की हैट-ट्रिक सहित चार गोल की सहायता से ध्यानचंद हॉकी अकादमी आंध्र प्रदेश के खिलाफ 11-0 से जीत दर्ज की।

यूपी ग्रेस की जीत में ऋषभ सिंह ने अकेले चार गोल दागे। ऋषभ सिंह ने चौथे मिनट में पहला गोल दागा, फिर 21वें व 24वें मिनट में मैदानी गोल ओर 29वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल दागा। शुभम पटेल ने 10वें, 49वें मिनट में मैदानी गोल और 60वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल कया। वहीं देवांश चौरसिया (14वां, 27वां) ने दो गोल किए। आयुष यादव व दर्शील केसरवानी को एक-एक गोल करने में सफलता मिली।

नेत्रहीन क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब आरसीएबी अजमेर ने जीता

उदयपुर । राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित नेत्रहीन क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद आरसीएबी अजमेर विजेता रही जबकि एनवीएस रॉयल क्लब जोधपुर की टीम उपविजेता रही। रोटरी क्लब उदयपुर मीरा एवं राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राजस्थान राज्य स्तरीय नेत्रहीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन सोमवार को महाराणा भूपाल स्टेडियम में हुआ। क्लब अध्यक्ष संगीता मूंदड़ा ने बताया कि तीन दिवसीय इस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में 15 ओवर के इस पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों एवं क्रिकेट प्रेमियों का रोमांच चरम पर रहा।

दिव्यांश सिंह पंवार ने विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीता स्वर्ण पदक

काहिरा। भारत के दिव्यांश सिंह पंवार ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

रविवार को खेले गये मुकाबले में टोक्यो ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने क्वालिफिकेशन राउंड में 632.4 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया और हमवतन अर्जुन बाबुता के साथ पदक राउंड के लिए क्वालीफाई किया, जो 630.7 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग राउंड में चौथे स्थान पर रहे।

संदीप सिंह 630.4 के स्कोर के साथ सातवें, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल 629.3 के साथ 11वें स्थान पर रहे।

फाइनल में, दिव्यांश सिंह पंवार 253.7

के स्कोर के साथ एक बार फिर शीर्ष पर रहते हुए एक वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर बनाया। इटली के डेनिलो डेनिस सोलाज़ो ने 251.8 के साथ रजत पदक जीता, जबकि सर्बियाई निशानेबाज लज़ार कोवासेविक को 230.6 के साथ कांस्य पदक मिला। अर्जुन बाबुता 166.1 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे।

एक अन्य मुकाबले में सोनम उत्तम मस्कर ने अपने पहले आईएसएसएफ विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करते हुए मिस्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

सोनम ने फाइनल में 252.1 का स्कोर किया और जर्मनी की अन्ना जानसेन से 0.9 पीछे रहीं। पोलैंड की एनेटा स्टैंकीविक्ज़ (230.4) ने भारत की नैंसी (209.5) को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। सोनम और नैन्सी ने क्रमश: 632.7 और 633.1 के स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई थी और 60-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड को क्रमश: पांचवें और चौथे स्थान पर समाप्त किया था।

भारत तक फैल रहा म्यांमार का विद्रोही संकट

नई दिल्ली। (पी एम ए) म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक तीन विद्रोही समूहों के गठबंधन थ्री ब्रदरहुड एलायंस ने हाल में म्यांमार की सेना के क्षेत्रीय मुख्यालय वाले एक महत्वपूर्ण शहर लौकई पर कब्जा कर लिया है। उधर, अराकान आर्मी ने भारत व बांग्लादेश की सीमा से लगते पलेतवा शहर पर भी कब्जे का दावा किया है।

हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत और म्यांमार के बीच खुली सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाई जाएगी और मुक्त आवाजाही के समझौते पर भी पुनर्विचार किया जाएगा। शाह ने कहा कि सीमा को %बांग्लादेश सीमा की तरह संरक्षित% किया जाएगा। आखिर, यह करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? म्यांमार के साथ चार भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम सीमा साझा करते हैं। क्या म्यांमार का विद्रोही संकट भारत तक फैल रहा है...

अभी क्या है आवागमन की व्यवस्था?

दोनों देश 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं और भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के हिस्से के रूप में 2018 से उनके पास मुक्त आवाजाही

व्यवस्था है। इससे सीमा पर रहने वाले दोनों देशों के निवासियों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी तक यात्रा करने की अनुमति मिलती है। समझौता खत्म होने से यह आवागमन बंद हो जाएगा।

म्यांमार में क्या कर रहे हैं विद्रोही गुट?

म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक तीन विद्रोही समूहों के गठबंधन थ्री ब्रदरहुड एलायंस ने हाल में म्यांमार की सेना के क्षेत्रीय मुख्यालय वाले एक महत्वपूर्ण शहर लौकई पर कब्जा कर लिया है। उधर, अराकान आर्मी ने भारत व बांग्लादेश की सीमा से लगते पलेतवा शहर पर भी कब्जे का दावा किया है। गठबंधन का दावा है कि उन्होंने देश भर के 42 शहरों को सैन्य कब्जे से छीन लिया है। गठबंधन में अराकान आर्मी, म्यांमार डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी और ताउंग नेशनल लिबरेशन आर्मी शामिल हैं।

साल 2021 में चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर सत्ता हथियाने वाली सेना संकट में है। सैनिक डरकर भाग रहे हैं।

भारत में क्यों भाग कर आ रहे लोग?

म्यांमार में संघर्ष शुरू होने के बाद से हजारों की संख्या में लोगों ने भारत में शरण ली है। पड़ोसी देश में उथल-पुथल का असर भारत में नहीं होगा, इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले दिनों विद्रोही गठबंधन से भागकर म्यांमार के 276 सैनिक मिजोरम में प्रवेश कर गए, जिनमें से 184 सैनिकों को बाद में म्यांमार वापस भेज दिया गया। सैनिक 17 जनवरी को असम राइफल्स से मदद मांगने के लिए मिजोरम के लॉन्टलाई जिले में भारत-म्यांमार-बांग्लादेश ट्राइजंक्शन पर बंदुकबंगा गांव में घुस गए थे।

सीमा के आर-पार जातीय संबंध है?

आरोप है कि मणिपुर में जातीय हिंसा भड़काने में भी सीमा पार से घुसपैठियों का हाथ है। मैतेई संगठन भी बाड़ लगाने और मुक्त आवाजाही खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, मणिपुर के कुकी और मिजोरम मिजोस समुदाय इसके समर्थक नहीं है क्योंकि इनके म्यांमार के चिन समुदाय के साथ जातीय संबंध हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद से, सेना ने कुकी-चिन लोगों के उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि सेना के हिंसक अभियानों में 4,363 नागरिक मारे गए हैं, जबकि लगभग 20000 लोगों को सरकार ने जेल में डाल दिया है। ऐसे में शरणार्थियों का संकट और बढ़ सकता है।

जॉर्डन में अमरीकी चौकी पर ड्रोन हमला, 3 सैनिकों की मौत, 34 घायल

नई दिल्ली। (पी एम ए) गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार हुआ कि कोई अमरीकी सैनिक मिडिल ईस्ट में मारा गया है। जिस अमरीकी चौकी हमला हुआ है, वह सीमा सीरिया से लगती है।

इजरायल और हमास की जंग के बीच रविवार को जॉर्डन में अमरीकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए हैं। हमले में तीन अमरीकी जवान मारे गए हैं।

गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई अमरीकी सैनिक मिडिल ईस्ट में मारा गया है। जॉर्डन में जिस क्षेत्र में अमरीकी चौकी पर हमले हुए हैं उसकी सीमा सीरिया से लगती है। सीमाई क्षेत्र में टावर-22 पर ड्रोन अटैक हुआ है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा है कि सीरियाई सीमा के पास उत्तरपूर्वी जॉर्डन में तैनात अमरीकी बलों पर एक मानवरहित हवाई ड्रोन हमले के दौरान तीन अमरीकी सैन्य कर्मी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। बाइडन ने हमले के लिए ईरान समर्थित समूहों को जिम्मेदार ठहराया।

बाइडन ने एक बयान में कहा, हालांकि हम अभी भी इस हमले के तथ्य जुटा रहे हैं, पर हम जानते हैं कि इसे सीरिया और इराक में सक्रिय कट्टरपंथी ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों द्वारा अंजाम दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हमले में कम से कम 34 अमरीकी कर्मियों के घायल होने की सूचना है और उनको भर्ती किया गया है। बाइडन ने कहा है कि, जिसने भी इस हमले को अंजाम दिया है उसे बख्शा नहीं जाएगा।

अमरीकी ठिकानों पर युद्ध के बाद से 158 हमले

अमरीकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल और हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से अमरीकी और सहयोगी देशों के सैन्य बेस पर इराक-सीरिया में कमोबेश 158 हमले किए गए। इन हमलों में मिसाइल, रॉकेट्स और ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया।

ईरान ने अंतरिक्ष में लॉन्च किए 3 सैटेलाइट्स

नई दिल्ली। (पी एम ए) ईरान ने तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया है। ईरान के सरकारी टीवी ने लॉन्च किए गए उपग्रहों के नाम महदा, कायहान-2 और हतेफ-1 बताए हैं। ईरान ने तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया है। प्रक्षेपण में ईरान के नवीनतम सिमोर्ग रॉकेट का सफल उपयोग भी देखा गया। पहले इसमें कई विफलताएं हुई हैं। ईरान के सरकारी टीवी ने लॉन्च किए गए उपग्रहों के नाम महदा, कायहान-2 और हतेफ-1 बताए हैं। लॉन्च किए तीन सैटेलाइट्स में पहला महदा एक अनुसंधान उपग्रह है, जबकि कायहान और हतेफ क्रमश: जीपीएस और संचार पर केंद्रित नैनो उपग्रह हैं।

चीन ने स्थायी रूप से चार युद्धपोत तैनात किया

टोक्यो। चीन ने आपातकालीन स्थिति में अमेरिकी जहाजों को ताइवान के पास आने से रोकने के लिए ताइवान के चारों ओर स्थायी रूप से चार युद्धपोत तैनात किए हैं। जापानी अखबार योमिउरी शिंबुन ने सोमवार को सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए यह खबर दी। इससे पहले अगस्त 2022 में अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के जवाब में आयोजित अभ्यास के हिस्से के रूप में जहाजों को तैनात किया गया था। अखबार द्वारा संलग्न मानचित्र के अनुसार, युद्धपोत द्वीप को तीन तरफ से घेर रहे हैं। युद्धपोत द्वीप को उत्तर, दक्षिण और पूर्व की ओर से घर रहे हैं और चीन की तरफ के तट को खुला छोड़ रहे हैं। इन जहाजों में से एक उन क्षेत्रों के पश्चिम में है, जिन्हें चीन में डियाओयू द्वीप और जापान में सेनकाकू द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। जापान के कैबिनेट के मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने सोमवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की। उल्लेखनीय है कि चीन ताइवान के साथ विदेशी राज्यों के किसी भी आधिकारिक संपर्क का विरोध करता है और द्वीप पर चीनी संप्रभुता को निर्विवाद मानता है।वर्ष 2022 और 2023 में उच्च रैंकिंग वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों की ताइवान यात्रा के जवाब में, चीनी सेना ने द्वीप के पास बड़े पैमाने पर युद्ध अभ्यास शुरू किया था और उसे ताइवानी अलगाववादियों और विदेशी शक्तियों के लिए चेतावनी बताया था।

संसदीय चुनाव में महिलाओं का गढ़ रहा कराची

लाहौर । पाकिस्तान में संसदीय चुनावों के इतिहास में कराची सीट ना सिर्फ राजनीति में कदम रखने वाली महिलाओं के लिए मुफीद मानी जाती है बल्कि महिलाओं उम्मीदवारों का गढ़ भी रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी(पीपीपी) अध्यक्ष रही दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पास कराची और लाहौर की दो सीटों से पहली बार निर्वाचित होने का रिकॉर्ड है। देश के सबसे बड़े शहर और हमेशा से राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र रहे कराची में 1970 से 2018 के बीच आम चुनावों में राष्ट्रीय इतिहास की कई प्रसिद्ध राजनीतिक और धार्मिक-राजनीतिक हस्तियां यहां से चुनी गयी है। वहीं भुटो एकमात्र महिला राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने न केवल कराची बल्किदेश के दूसरे सबसे बड़े शहर, लाहौर से 1988 के आम चुनाव में दोनों सीटों से जीत हासिल की। कराची और लाहौर सीट पर सुश्री भुट्टो से पहले किसी महिला ने संसदीय चुनाव नहीं जीती थी, हालांकि फरहत रफीक 1985 के विधानसभा चुनाव में लाहौर से विधायक निर्वाचित हुई थी। कराची से संसद सदस्य के रूप में चुनी गई दूसरी महिला खुश बख्त शुजात हैं। उन्होंने 2008 के आम चुनावों में एनए-250 से मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के टिकट पर जीत हासिल की। वर्ष 2002 के चुनावों में उसी निर्वाचन क्षेत्र से, एमक्यूएम के नसरीन जलील ने भी चुनाव लड़ा, लेकिन मुत्ताहिदा मजलिस-ए-अमल के अब्दुल सत्तार अफगानी से करीबी मुकाबले के बाद चुनाव हार गयी।

इस्तांबुल चर्च हमले के दोषी आईएस सदस्य

इस्तांबुल। तुर्किए के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोमवार को कहा कि इस्तांबुल चर्च हमले में गिरफ्तार किए गए दो संदिग्धों को आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट का सदस्य माना जा रहा है। येरलिकाया ने इस्तांबुल पुलिस निदेशालय में संवाददाताओं से कहा, दोनों संदिग्ध विदेशी नागरिक हैं, एक ताजिकिस्तान से और दूसरा रूस से। हमारा आकलन है कि वे दाएश (आईएस) के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस इकाइयों ने इस्तांबुल में 30 अलग-अलग पतों पर अभियान चलाया और 47 संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा,रविवार को स्थानीय समयानुसार रात 10: 00 बजे एक पते पर छापेमारी के दौरान हत्या के दो संदिग्धों को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि हमलावरों ने रविवार की सुबह करीब 11: 40 बजे शहर के यूरोपीय हिस्से में सरियेर जिले की सांता मारिया चर्च पर सामूहिक प्रार्थना के दौरान हमला किया जिसमें तुर्किए के एक नागरिक की मौत हो गई। तुर्किए ने 2013 में आईएस को एक आतंकवादी समूह के रूप में सूचीबद्ध किया था। समूह ने तब से देश में कई घातक हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिसके बाद तुर्किए अधिकारियों को इसके सदस्यों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस D 85 सेक्टर 6 नोएडा से मुद्रित एवं 240 A अंसल चैंबर II, 6 भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली 110066 से प्रकाशित
संपादक: प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

घोरावल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ समारोह हुआ सम्पन्न

सोनभद्र । जनपद के घोरावल तहसील परिसर में दी घोरावल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सामारोह सोमवार को सविधि सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य विनोद कुमार पांडेय, विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी ददन प्रसाद कार्यक्रम अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामबिहारी यादव ने वाग्देवी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य विनोद कुमार पांडेय ने अध्यक्ष पद के लिए प्रयाग दास का शपथ ग्रहण कराया ततपश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रयागदास ने महामंत्री पद के लिए रोशन अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मोहन सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिये अवधेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष पद हेतु राजकुमार यादव एवं संयुक्त सचिव (प्रशासन) पद के लिए आशुतोष कुमार मिश्रा को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के सजग प्रहरी के रूप में शोषण व अन्याय के विरूद्ध हमेशा संघर्ष के लिए हमें सदैव तैयार रहना होगा। कहा कि बार कौंसिल अधिवक्ताओं के हित के लिए लगातार संघर्ष कर रही है और इस निमित्त सरकार से लगातार मांग की जा रही है कि नवागत अधिवक्ता को 3 वर्ष तक 5000 रुपये और 70 साल से अधिक के अधिवक्ता को 15000 रुपये पेंशन दिया जाए। इसके लिए सभी अधिवक्ताओं को एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने बार कौंसिल की ओर से 70 हजार रुपये की पुस्तकें देने की घोषणा की तहसील पुस्तकालय के लिए। इस अवसर पर अल्पसंख्यक अधिवक्ता एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव इनामुलहक अंसारी, डिस्ट्रिक्ट बार अध्यक्ष श्यामबिहारी यादव, साहित्यकार डॉ, परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार विदित पांडेय, क्षेत्रीय वनाधिकारी , सुरजू प्रसाद, अधिवक्ता राजबहादुर सिंह, आदिनाथ मिश्र व विंध्यवासिनी सिंह ने भी सभा को संबोधित किया।

कुशल संचालन अरविंद सिंह ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता श्रीप्रकाश सिंह, महेश यादव, दयाशंकर गुप्ता, संतोष तिवारी, सच्चिदानंद मिश्रा, अखिलेश पांडेय, शिवजतन विश्वकर्मा के साथ ही अन्य समुदाय की समुपस्थिति रही।

राजकुमार पांडेय का हुआ स्वागत

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में पार्टी कार्यालय समता भवन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नवमनोनीत प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य राजकुमार पांडे का भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में पार्टी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रजनीकांत यादव और जिला उपाध्यक्ष भगवान यादव ने स्वागत गीत के माध्यम से नवनामित पदाधिकारी का स्वागत किया। तत्पश्चात जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि राजकुमार जी के मनोनयन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होने कहा कि यह संघर्ष का दौर है आज मुल्क खतरे में है।उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लोकतंत्र कमजोर हुआ है । संवैधानिक संस्थाओं पर हमलें हो रहे हैं । भाजपा देश के लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध साजिश रच रही है । जरूरत है आज संघर्ष कर इस देश की सत्ता से भाजपा को उखाड़ फेंकने की । बलिया लोकसभा के पुर्व प्रत्याशी एवं पुर्व मंत्री सनातन पांडे ने कहा कि आज देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। संविधान और लोकतंत्र जिंदा रहेगा तभी मिलेंगे सबको अपने हक और अधिकार। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा बनायी जा रही मजहबी आबोहवा से बचने की जरूरत बताया। नवनामित पदाधिकारी का स्वागत करते हुए विधायक डॉ विरेन्द्र यादव ने इस अवसर पर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों की खिंचाई करते हुए कहा कि आज देश साम्प्रदायिक , तानाशाह और फिरकापरस्त ताकतों के चंगुल में फंस गया है,देश को उनके चंगुल से निकालने की जिम्मेदारी नौजवानों पर हैं ।देश का नौजवान मोदी और योगी सरकार की नौजवान विरोधी नीतियों के चलते हताश और उदास है ।

शहनाई व भजन की धुन से भक्त हुए भाव विभोर

वाराणसी। (पी एम ए)अस्सी-लंका रोड स्थित होटल किंग्स बनारस में अयोध्या में भगवान प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के पुनीत अवसर पर श्रीरामोत्सव व भजन संध्या का आयोजन सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक संस्था रसवर्षा संस्थान, दिशा सोसाइटी, नव निर्माण सेवा ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद व ओंकार नाथ सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्र कवि प्रो0 ओम पाल सिंह %निडर%, विशिष्ट अतिथि प्रमुख उद्योग पति दीनानाथ झुंझुंवाला, वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो0 अरविंद जोशी व नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर दीपक अस्थाना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतराष्ट्रीय हास्य कवि कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष अजीत पांडये बाबुल, नूतन सिंह, काली शंकर उपाध्याय व सुमन शर्मा ने पुष्प गुच्छ,अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध शहनाई वादक पंडित महेंद्र प्रसन्ना व उनके साथियों द्वारा की गई। उनके गुरु पंडित राजेंद्र प्रसन्ना उसी दिन अयोध्या में शहनाई की धुन में लोगो को राममय कर दिया। उसके बाद नन्हें-मुन्ने बाल कलाकार राम कृष्ण, राधे कृष्ण व राधा कृष्ण तथा विदुषी वर्मा कई भजन प्रस्तुत किए। जिससे पूरा सभागार राममय हो गया। इसके बाद साहित्यकार व कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी द्वारा लिखित पुस्तक कृतित्व व व्यक्तित्व का लोकार्पण उपस्थित विशिष्टजनों द्वारा किया गया।

ईपीएफओ के मासिक कार्यक्रम निधि आपके निकट 2.0 का आयोजन किया

नई दिल्ली। कर्मचारियों के बीच जागरूकता के लिए अपने परिसर में ईपीएफओ के मासिक कार्यक्रम निधि आपके निकट 2.0 का आयोजन किया। सफदरजंग अस्पताल ने 29 जनवरी, 2024 को ईपीएफओ के सहयोग से उनके मासिक कार्यक्रम निधि आपके निकट 2.0 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सफदरजंग अस्पताल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ईपीएफओ की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है। इस अवसर पर सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने विशेष रूप से आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, श्री बृजेश मिश्रा और उनकी ईपीएफओ टीम की उपस्थिति रही, जिन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी पेंशन योजना आदि के बारे में जानकारी प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईपीएफओ टीम ने कार्यक्रम में उपस्थित 150 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके संबंधित नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों के प्रश्नों का जवाब दिया और उनकी समस्याओं को दूर किया।

इस संवाद सत्र ने ईपीएफओ द्वारा दिए जाने वाले व्यापक लाभों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। सत्र के दौरान डॉ. पीएस भाटिया एएमएस, डॉ. जयंती मणि एएमएस, और डॉ. कपिल सूरी एएमएस और श्री अशोक कुमार पाल उप निदेशक (प्रशासन) भी उपस्थित थे।

सफदरजंग अस्पताल के उप श्रम कल्याण आयुक्त (केंद्रीय) एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री अतुल सिंह ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

नाबालिक बालिका को बनाया जा रहा था वधू , जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने रोका

अल्पवयस्क बालक - बालिका की शादी तैयारी पर लगा विराम

सोनभद्र । जिले के थाना शाहगंज अन्तर्गत एक गांव मे एक नाबालिग बालक एवं बालिका की शादी कराये कराये जाने की विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी का त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय, ओ0 आर0 डब्ल्यू0 शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से प्रोजेक्ट कोऑर्डीनेटर नीलू यादव,सुपरवाईजर सत्यम् चौरसिया की संयुक्त टीम गठित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए अवगत कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। घटना 29 जनवरी की है जिसकी सूचना का फ़ौरीतौर पर अमल करते हुए टीम द्वारा तत्काल थाना शाहगंज से समन्वय स्थापित किया गया। पुलिस दस्ते के साथ मौकेपर पहुँच कर टीम द्वारा बालक एवं बालिका के माता पिता से

बालक एवं बालिका के शादी किये जाने एवं उम्र के सम्बन्ध में पूछताछ की गई तो तो जो तथ्य सामने आए उसके मुताबिक उनके माता- पिता द्वारा बताया गया कि हम लोग अपने हिन्दू रीतिरिवाजों के अनुसार बच्चों की शादी कर रहे थे। माता-पिता द्वारा बालक एवं बालिका के उम्र के सम्बन्ध में टीम के समक्ष कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रथम दृष्टया बालक एवं बालिका नाबालिग प्रतीत हो रहे थे, वस्तु स्थिति से अवगत होते हुये टीम द्वारा बालक एवं बालिका को थाना शाहगंज ले जाया गया और वहा से नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु ले जाया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय ने अपील करते कहा कि यदि कहीं बाल विवाह , बाल तस्करी सम्बंधित सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल सूचना सम्बंधित थाने , बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई या चाइल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर सुचित करें जिससे नाबालिग बालिकाओ को बाल वधू व बाल तस्करी से रोकथाम किया जा सके। ओ0 आर0 डब्ल्यू0 शेषमणि दुबे ने बताया कि बालक एवं बालिका दोनों नाबालिक हैं, बालक एवं बालिका की उम्र के सम्बन्ध में साक्ष्य एवं काउन्सलिग के उपरान्त नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही यह भी बताया गया इस वित्तीय वर्ष मे वर्तमान समय तक कुल 33 बाल विवाह टीम द्वारा रोके जा चूके हैं।

मौकेपर पर जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय, ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से नीलू यादव प्रोजेक्ट कोऑर्डीनेटर , सत्यम् चौरसिया सुपरवाईजर थाना शाहगंज से पुलिस टीम आदि उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण ढंग से हों निस्तारित शिकायतें, शिद्दत व संजीदगी हो सुनवाई : रूबी प्रसाद

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के बाबत प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजित रहा। जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 5, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 1, नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 2 रहीं जबकि नगर पंचायत रेनुकूट में शून्यता रही शिकायत की तो नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 1, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 4 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। समस्त निकायों को मिलाकर कुल 21 शिकायतें रही जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई पेयजल व मार्ग प्रकाश से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी-नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र के मुताबिक जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर कही गई। इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है, इस अभिकथन के साथ ही ईओ ने ससमय समस्या के निदान की बात कही। इस दौरान जेई मनीष कुमार, सन्त कुमार, सुजीत कुमार, आकाश रावत, सभासद अनवर अंसारी ,बिमलेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

कारागार मंत्री ने जिला जेल का निरीक्षण किया

वाराणसी। (पीएमए) उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे जुर्माना न भरने के कारण जेल में बंद कैदियों की जुर्माना राशि को एनजीओ आदि के माध्यम से जमा कराकर उन्हें जेल से छुड़वाए जाने का कार्य उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है। पिछले दो वर्षों में 1000 से अधिक ऐसे कैदियों को छुड़वाया गया है। उन्होने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा भी अब ऐसी व्यवस्था करते हुए इसके लिए बजट का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि आर्थिक कारणों से छोटे-छोटे जुर्माना राशियों को जमा न करने के कारण अब बिना वजह जेल में नहीं रहेंगे। ऐसे लोगों की जुर्माना धनराशि जमा कराकर उन्हें छुड़वाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों से भी वार्ता किया।

जिला जेल के निरीक्षण के दौरान मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने वहां ऐसे निरुद्ध कैदी जिनसे उनके परिजन मिलने नहीं आते को सर्दी से बचाव हेतु कंबल, हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड की किताब वितरित की।

सांसद ने हरी झण्डी दिखाकर गोरखपुर- शालीमार एक्सप्रेस का बेल्थरारोड स्टेशन पर ठहराव का किया शुभारम्भ

वाराणसी। (पीएमए) बेल्थरा रोड के यात्री जनता की माँग एवं यात्रियों की सुविधा हेतु रेल प्रशासन द्वारा बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन पर गाड़ी सं0 15021/15022 गोरखपुर-शालीमार-गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव का शुभारम्भ वाराणसी -भटनी रेल खण्ड पर पड़ने वाले बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन पर दो मिनट का प्रयोगिक ठहराव प्रदान किया जा रहा है ।

इसी क्रम में 29 जनवरी,2024 को बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह से सलेमपुर के माननीय सांसद श्री रविन्दर कुशवाहा द्वारा गाड़ी 15022 गोरखपुर-शालीमार एक्सप्रेस को 15: 40 बजे हरी झण्डी दिखाकर इस गाड़ी के ठहराव का शुभारंभ किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे सांसद रविन्दर कुशवाहा ने कहा कि 15021/15022 गोरखपुर-शालीमार-गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस ठहराव बेल्थरा रोड स्टेशन पर नहीं होने से बेल्थरा रोड समेत आस-पास के जिले के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था । इस कारण इस ट्रेन का ठहराव बेल्थरा रोड स्टेशन पर दिया जाना आवश्यक था । उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से प्रयास रहता है कि आम जनता को अधिकांश सुविधा मिल सकें जिसके परिणामस्वरूप मैंने अपने संसदीय क्षेत्र के सलेमपुर,बेल्थरा रोड एवं भटनी समेत विभिन्न स्टेशनों पर 18 गाड़ियों को ठहराव दिलाया गया है । भाजपा सरकार रेल,सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के हाथों में आज हमारा राष्ट्र सुरक्षित एवं संरक्षित ही नहीं है, बल्कि विकास के नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहा है।

माननीय सांसद ने अपने संबोधन में बताया कि वाराणसी मंडल का भटनी-औड़िहार रेल खण्ड का कुछ ही महीनों में विद्युतीकृत लाइनों के साथ दोहरीकरण पूर्ण हो जाएगा । जिसके बाद बेल्थरा रोड एवं सलेमपुर स्टेशनों पर हर जगह जाने के लिए और अधिक गाड़ियां उपलब्ध हो जाएंगी ।रेलवे 10 साल पहले में और आज के समय में क्या अंतर आया है इसे आप बेल्थरा रोड स्टेशन के बदले स्वरूप को देखकर समझ सकते है। माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का काम तेजी से किया जा रहा है जिसमें बहुत सारे प्रोजेक्ट शामिल हैं, लगभग 16.40 करोड़ रुपए की लागत से बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास का कार्य प्रगतिशील है ।

इसके पूर्व माननीय सांसद श्री रविन्दर कुशवाहा जी का हार्दिक स्वागत करते अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर) श्री रोशन लाल यादव ने माननीय सांसद को अपना बहुमूल्य समय निकाल कर बेल्थरा रोड रेलवे स्टेशन पर 15021/15022 गोरखपुर-शालीमार- गोरखपुर शालीमार एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारम्भ करने का हमारा अनुरोध स्वीकार किया है तथा आज हमारे बीच इस समारोह में उपस्थित हुए हैं। मैं इस समारोह में उपस्थित सभी माननीय अतिथियों एवं सम्मानित जन प्रतिनिधियों का भी स्वागत करता हूँ ।

पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल यात्री प्रधान मंडल है जो अपने यात्रियों को उन्नत सुख सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयासरत है ।

शार्ट न्यूज

श्रीमती इंदिरा गांधी की भूमिका निभाकर इतिहास रचने को तैयार हैं कंगना रनौत

दिवंगत भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के शिमला समझौते को कंगना रनौत की आगामी राजनीतिक ड्रामा इमरजेंसी में फिर से रीक्रिएट किया जाएगा। इसे अब तक की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना घोषित करते हुए, चार बार की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कंगना रनौत आगामी राजनीतिक ड्रामा इमरजेंसी में पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की भूमिका निभाकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। अतीत में झांकने की अभिनेत्री की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए, यह फिल्म इतिहास में एक वास्तविक और ईमानदार अंतर्दृष्टि प्रदान करने का वादा करती है। भारतीय लोकतंत्र में एक अत्यधिक विवादास्पद घटना के मेगा-बजट चित्रण के रूप में लेबल किया गया, इमरजेंसी इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच कुख्यात जुलाई 1972 शिमला समझौते को उजागर करने के लिए तैयार है।

'एनिमल' और 'फाइटर' की धूम से अनिल भी चमके

मेगास्टार अनिल कपूर की लगातार दो महीनों में दो बैक-टू-बैक हिट के साथ उनका सितारा चमक रहा है। सिनेमा आइकन इस समय ओटीटी और थिएटर दोनों पर हावी है। उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल, जो 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, अब पांच भारतीय भाषाओं में नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इसके साथ ही, कपूर सिनेमाघरों में भी छाए हुए हैं और अपनी नवीनतम फिल्म फाइटर के लिए ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी के रूप में प्रशंसा पा रहे हैं। एनिमल में कपूर का चित्रण उनकी अभिनय क्षमता को साबित करता है, जिसे बलबीर सिंह के रूप में व्यापक प्रशंसा मिली। उनका चित्रण सूक्ष्म भावों और प्रभावशाली उपस्थिति के साथ कहानी को बढ़ाता है, जो दर्शकों और आलोचकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यह प्रदर्शन एक सिनेमा आइकन के रूप में कपूर की स्थिति को मजबूत करता है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और गहराई के लिए मनाया जाता है। इसके साथ ही, नेटफ्लिक्स पर एनिमल स्ट्रीम होने के साथ, कपूर सिद्धार्थ आनंद की फाइटर में ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी के रूप में अपनी नवीनतम भूमिका के साथ थिएटर में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं, और अपने स्थायी आकर्षण और प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

'पॉप क्वीन' लग रही नेहा भसीन ने पिक हेयर स्टाइल में मचाई सनसनी

भारतीय मनोरंजन उद्योग की एक प्रमुख हस्ती, अभिनेत्री और सिंगर नेहा भसीन अपनी स्टाइल और रॉकस्टार वाइब से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। नेहा खुद ही अपने आपकी स्टाइलिस्ट है, वह अपनी रचनात्मकता और हटके फैशन समझ का प्रदर्शन करके हर कीसे से अलग दिखती हैं। उनका हालिया गुलाबी हेयरस्टाइल फैशन प्रेमियों के बीच एक चर्चा का विषय बन गया है, जिसने उनकी बोल्ड और आत्मविश्वासपूर्ण पसंद की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। अपनी एक लेटेस्ट पोस्ट में, नेहा आकर्षक मुस्कान के साथ अपने गुलाबी बालों को दिखा रही हैं, जिसमें अतिरिक्त आकर्षण के लिए पीले और लाल रंग शामिल हैं। एक आकर्षक काले रंग के डीप-नेक आउट्फिट और स्टाइलिश गुलाबी और काले रंग की स्टिलेटोज़ पहने हुए है, जिसमें वह बॉस बेब की तरह दिखती है, और इस पोस्ट से वह इंटरनेट पर एक वायरल सनसनी बन गई है। अपने लुक्स के साथ प्रयोग करने की और ट्रेंड सेट करने की नेहा की क्षमता की वजह से उन्हें अपने फॉलोवर्स से प्रशंसा मिलती रहती है। वैसे आपको क्या लगता है नेहा को अपने हेयरस्टाइल के लिए आगे कौन सा रंग आज़माना चाहिए।

दो अदद चोरी के मोटर साईकिल के साथ दो नफर शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

बलिया । (पीएमए) सोमवार को थाना सहतवार पुलिस को जरिये मुखबिर खास सूचना मिली कि आपके थाने का टाप- 10 अपराधी राँकी पासवान अपने एक अन्य दोस्त के साथ अपने घर वार्ड नं0 01 कस्बा सहतवार पर आया हुया है उसके पास अवैध असलहा कारतूस और चोरी की मोटरसाईकिल भी है, उक्त सूचना के आधार पर थाना सहतवार के प्रभारी निरीक्षक श्री विकास चन्द पाण्डेय मय फोर्स द्वारा राकी पासवान के घर वार्ड नं0 1 कस्बा सहतवार से 02 नफर अभियुक्तों 1. राँकी पासवान पुत्र स्व0 सरल पासवान निवासी वार्ड नं0 01 कस्बा सहतवार थाना सहतवार जनपद बलिया 2. दीपक पासवान पुत्र स्व0 बीरमुनि पासवान निवासी वशुधर पार थाना हल्दी जनपद बलिया को समय करीब 09.30 बजे सुबह गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण के पास से कूटरचित नंबर प्लेट लगे 02 अदद चोरी के मोटर साईकिल बरामद हुआ, अभियुक्तों की नियमानुसार तलाशी में अभियुक्त राँकी पासवान के कब्जे से एक अदद तंमचा .315 बोर,एक अदद फायर सुदा खोखा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ तथा अभियुक्त दीपक पासवान के पास से एक अदद जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया ।

जिलाधिकारी ने किया अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक का निरीक्षण

बलिया। (पीएमए) जिलाधिकारी रविंद्र कुमार सोमवार को विकासखंड गड़वार के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कार्यालय खंड विकास अधिकारी औचक का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के फार्मासिस्ट और नर्स से स्वास्थ्य केंद्र संचालन व कार्यालय खंड विकास अधिकारी के एपीओ और वरिष्ठ सहायक से वहां से संचालित व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी ली। जिलाधिकारी के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर चेक किया तो चार कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इन सभी पर जिलाधिकारी ने विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने फार्मासिस्ट से स्वास्थ्य केंद्र में दवाओं, इंजेक्शन और फ्रिज की उपलब्धता के बारे में पूछा तो उसने बताया कि दवाओं की उपलब्धता है और जरूरी इंजेक्शन रखने हेतु की फ्रिज की व्यवस्था है। जिलाधिकारी द्वारा एएनएम नम्रता सिंह से डिलीवरी के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि नॉर्मल डिलीवरी होती है सिजेरियन डिलीवरी नहीं होती है।

वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

गाजीपुर। (पीएमए) दुल्लहपुर-गाजीपुर क्षेत्र के तिरछी गांव के पास रविवार की रात अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक से घर लौट रहे जखनिया निवासी युवक मनोज विश्वकर्मा 30 की मौत हो गई। दूसरे दिन सुबह सात बजे रास्ते से गुजर रहे नसीरपुर निवासी अशोक यादव ने सड़क किनारे गिरे दो पहिया वाहन तथा युवक को देखकर घटना की सूचना दुल्लहपुर थाने पर जरिये मोबाईल दी मृतक हेलमेट लगाए हुवे था। बाइक का हेडलाइट टूटा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को थाने ले आई। युवक की पहचान भुड़कुड़ा कोतवाली के जखनियां परसुपुर गांव निवासी मनोज पुत्र रामधारी विश्वकर्मा के रुप में हुई ।घटना की सूचना पाकर स्वजन में कोहराम मच गया स्वजन रोते बिलखते दुल्लहपुर थाना पर पहुंचे। मृतक के बड़े भाई सुभाष विश्वकर्मा ने बताया कि मनोज रविवार की सुबह 10 बजे घर से दुल्लहपुर जलालाबाद स्थित एक मित्र से मिलने के लिए निकले थे।